संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 180
पृष्ठ 8
शुक्रवार
21 मार्च 2025
प्रात: संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चों की तरह हो जाएगी चाल... | विचार- गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या मिलेगा? | खेल- आईपीएल 2025 : बीसीसीआई ने गेंद...

बहराइच वासियों के लिए खुशखबरी : सीएम योगी का ऐलान

'इको-टूरिज्म' केंद्र के रूप में विकसित होगा कतर्नियाघाट

बहराइच, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से उनकी सरकार ने राज्य में राजस्व संबंधी 33 लाख लंबित मामलों का समाधान किया है, जिससे हजारों नागरिकों को राहत मिली है। मिहीपुरवा (मोतीपुर) में नये तहसील भवन के उद्घाटन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने भूमि संबंधी मामलों में न्याय और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक कुशल प्रशासनिक प्रणाली के महत्व पर जोर दिया। आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले, उत्तर प्रदेश में भूमि के दाखिल खारिज, सीमांकन और उपयोग अधिकार के मामलों सहित 33 लाख से अधिक अनसुलझे राजस्व विवाद थे। सीएम योगी ने कहा, इस तरह के लंबित मामलों के कारण अक्सर विवाद, हिंसा और भूमि हड़पने की घटनाएं होती थीं,

जिससे आम लोगों का जीवन दूभर हो जाता था। उन्होंने कहा, पूर्ववर्ती सरकारों ने भ्रष्टाचार और बेईमानी को पनपने दिया, जिससे गरीबों को न्याय की उम्मीद नहीं रही। हालांकि, हमने उप जिलाधिकारी से लेकर तहसीलदारों और राजस्व अधिकारियों तक, सभी प्रशासनिक स्तर पर मामलों को हल करने के लिए सख्त समयसीमा तय की, जिससे जवाबदेही सुनिश्चित हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भू-मफिया रोधी कार्य बल के माध्यम से भू-माफियाओं पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप, 64,000 एकड़ अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि वापस मिल गई है। उन्होंने यह भी बताया कि बेहतर कानून व्यवस्था के साथ, उत्तर प्रदेश निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, अब, ग्रामीण दूर के कार्यालयों में जाए बिना आय और निवास प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल जमीनी

● यूपी सरकार ने 2017 से राजस्व संबंधी 33 लाख लंबित मामलों का समाधान किया : सीएम योगी

स्तर पर समय पर सेवाएं सुनिश्चित करेगी। उन्होंने भूमि सीमांकन में हेराफेरी को खत्म करने के लिए भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, अब भूमि माप डिजिटल तरीके से किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। धोखाधड़ी के कारण किसी भी गरीब व्यक्ति को अपनी एक इंच भी जमीन नहीं गंवानी पड़ेगी। कार्यक्रम के दौरान, आदित्यनाथ ने तहसील अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आवास का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिकारी हर समय लोगों के लिए सुलभ रहें। पिछले साल मानसून के बाद बहराइच की अपनी यात्रा का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने भेड़ियों के एक झुंड द्वारा क्षेत्र में आतंक मचाये रखने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हालांकि जंगली जानवर आम तौर पर सामान्य परिस्थितियों में लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, लेकिन स्थिति खराब हो गई थी, जिससे बच्चों की जान जाने सहित दुखद घटनाएं हुईं। राज्य सरकार ने पहले ही मानव-वन्यजीव संघर्ष को आपदा के रूप में वर्गीकृत कर दिया था और हमने पीड़ित परिवारों को आपदा राहत कोष से तुरंत 5 लाख रुपये का मुआवजा प्रदान किया।ष आदित्यनाथ ने बहराइच के ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ''बहराइच में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

रायपुर: मुठभेड़ में 22 नक्सली ढ़ेर, अमित शाह ने सफल अभियानों पर दी बधाई

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा के सुरक्षाबलों ने गुरूवार सुबह दो अलग-अलग ऑपरेशन में 22 नक्सलियों को ढेर कर दिया। गृहमंत्री अमित शाह ने इन दो सफल अभियानों के लिए सुरक्षा बलों को बधाई दी है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीजापुर और कांकेर नक्सल ऑपरेशन्स पर जवानों को बधाई देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर श्री शाह ने लिखा ''नक्सलमुक्त भारत अभियान की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन्स में 22 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं

के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।"गौरतलब है कि अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार सुबह सुरक्षाबलों की टीम बीजापुर और दंतेवाड़ा के सरहदी में थाना गंगालूर इलाके में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। टीम ने दो अलग-अलग ऑपरेशन में 22 नक्सलियों को मार गिराया है। सुरक्षाबलों की टीम ने बीजापुर में 18 तो कांकेर में चार नक्सली मार गिराया है।इस मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के एक जवान राजू ओयामी शहीद हो गये। गृह मंत्री विजय शर्मा ने 18 नक्सलियों के शव बरामद होने की पुष्टि की है वहीं अन्य क्षेत्रों से अभी शव प्राप्त होने की सूचना आधिकारिक रूप से प्राप्त नहीं हुई है।

मणिपुर के चुराचांदपुर में कर्फ्यू जारी, मोदी सरकार बोली- राज्य में सामान्य स्थिति लाकर रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर के हालात को सामान्य बनाने के लिए राष्ट्रपति शासन के तहत हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन छिटपुट हिंसा हो जाने के चलते हालात फिर से तनावपूर्ण हो जाते हैं। हम आपको बता दें कि पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली में गृह मंत्रालय में मणिपुर के हालात को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी। इसके अलावा इसी

सप्ताह संसद में मणिपुर के बजट पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया कि मणिपुर के हालात को हम सामान्य करके रहेंगे। हाल ही में राज्यपाल ने लोगों से लूटे गये हथियार को वापस सौंपने की जो अपील की थी उसे भी बड़ा समर्थन मिला और बड़ी संख्या में हथियार सुरक्षा बलों को लौटा दिये गये। लेकिन कुछ लोग यह बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं कि मणिपुर में शांति कैसे स्थापित हो रही है इसलिए वह बवाल करते रहते हैं। इसी कड़ी में चुराचांदपुर की घटना को लिया जा सकता है। हम आपको बता दें कि मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में आज भी हालात के तनावपूर्ण रहने के मद्देनजर स्कूल और बाजार बंद रहे। पुलिस के अनुसार, दो दिन पहले श्हमारश और श्जोमीश समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। इसके चलते चुराचांदपुर में कर्फ्यू लगाया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि जिले में स्कूल और बाजार बंद रहे और चर्च प्रमुखों एवं नागरिक संगठनों ने शांति बहाल करने के प्रयास किए। सुरक्षाबलों ने बुधवार रात 'फ्लैग मार्च' किए ताकि हिंसा की और घटनाएं नहीं हों। हम आपको बता दें कि जिले में मंगलवार रात हुई झड़प में हमार समुदाय के 51 वर्षीय लालरोपुई पाखुआंगते की गोली लगने से मौत हो गई थी।

दिल्ली में मंत्रियों के आवास का आवंटन शुरू, सीएम आवास पर फैसला अभी बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार 6, फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले को राज्य अतिथि गृह के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रही है, जिसे भाजपा नेता 'शीश महल' कहते हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री (सीएम) अरविंद केजरीवाल 2015 से अक्टूबर 2024 तक इस बंगले में रहे और इसके जीर्णोद्धार पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च किए। फरवरी में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपने अभियान के दौरान भाजपा ने जनता के पैसे के इस व्यय के लिए केजरीवाल पर हमला किया था और वचन दिया था कि उनके मुख्यमंत्री इस 'शीश महल' में नहीं रहेंगे। ऐसे में रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बनने के बाद शालीमार बाग में अपने पारिवारिक घर में रह रही हैं, जबकि भाजपा सरकार 'शीश महल' के संसाधन का उपयोग करने के तरीकों पर विचार कर रही है। एक अधिकारी ने दिल्ली में एक राज्य अतिथि गृह की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, अन्य राज्यों की तरह शहर में ऐसा कोई भवन नहीं है। संपत्ति (6, फ्लैग स्टाफ रोड) को इस तरह की सुविधा में परिवर्तित करने पर विचार किया जा रहा है, क्योंकि यह क्षेत्र और स्थान पर स्थित है। वहीं, दिल्ली में नई भाजपा सरकार के मंत्रियों को सरकारी आवास आवंटित करने का काम शुरू हो गया है, जबकि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के लिए उपयुक्त आवास की तलाश अभी भी जारी है।

सेनाओं की मारक क्षमता बढाने के लिए 54 हजार करोड़ रूपये के रक्षा सौदे मंजूर

● रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने तीनों सेनाओं की मारक क्षमता बढाने के लिए 54 हजार करोड़ रूपये के रक्षा सौदों को आज मंजूरी दे दी जिसमें सेना के टैंकों के लिए अधिक शक्तिशाली ईंजन, नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो और वायु सेना के लिए निगरानी प्रणाली अवाक्स की खरीद शामिल है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद की गुरूवार को यहां हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। परिषद ने बैठक में 54,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के आठ पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। इन सौदों में सेना के लिए टी-90 टैंकों के मौजूदा 1000 एचपी इंजन

को अपग्रेड करने के लिए 1350 एचपी इंजन की खरीद के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी है। इससे इन टैंकों की युद्धक्षेत्र में गतिशीलता बढेगी, खासकर अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में, क्योंकि इससे शक्ति-भार अनुपात में वृद्धि होगी। भारतीय नौसेना के लिए, वरुणास्त्र टॉरपीडो (लड़ाकू) की खरीद के लिए भी मंजूरी दी गयी है। वरुणास्त्र टॉरपीडो नौसेना की विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला द्वारा विकसित स्वदेशी रूप से विकसित जहाज से छोड़ा जाने वाला पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो है। इस टॉरपीडो के अधिक संख्या में नौसेना में शामिल होने उसकी शत्रुओं की पनडुब्बी को ध्वस्त करने की क्षमता बढ जायेगी। परिषद ने भारतीय वायुसेना के लिए, एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (अवाक्स) प्रणाली की खरीद के लिए स्वीकृति को भी जरूरत के आधार पर मंजूरी दी है। अवाक्स प्रणाली से वायु सेना की क्षमता बढेगी और यह युद्ध के पूरे स्पेक्ट्रम को बदल में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय को वर्ष 2025 को 'सुधारों के वर्ष' के रूप में मनाने के मद्देनजर परिषद ने पूंजी अधिग्रहण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में समयसीमा को कम करने के लिए दिशानिर्देशों को भी मंजूरी दी ताकि इसे तेज, अधिक प्रभावी और कुशल बनाया जा सके।

जम्मू-कश्मीर में पूर्व एमएलए मोहम्मद खान ने खुद को मारी गोली, नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

श्रीनगर, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व विधायक फकीर मोहम्मद खान श्रीनगर के तुलसी बाग स्थित अपने सरकारी आवास पर मृत पाए गए। शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि खान ने कथित तौर पर खुद को गोली मारने के बाद आत्महत्या कर ली, हालांकि आधिकारिक जांच चल रही है। खान 2024 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में गुरेज निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, 7,246 वोट (40.34 प्रतिशत) के साथ दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (श्रज्ञछब्) के नेता नजीर अहमद खान ने हराया, जिन्हें 8,378 वोट (46.64 प्रतिशत) मिले। एक अनुभवी राजनीतिक शख्सियत, खान ने पहले 1996 से 2002 तक विधायक के रूप में कार्य किया, 1996 के विधानसभा चुनाव में JKNC के मोहम्मद अनवर को हराकर जीत हासिल की। हालांकि, उन्हें 2002, 2008, 2014 और 2024 में लगातार हार का सामना करना पड़ा।

किसानों के मुद्दे पर भड़के केंद्रीय मंत्री बिट्टू, भगवत मान पर जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने गुरुवार को शंभू सीमा से प्रदर्शनकारी किसानों को हिरासत में लेने को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवत मान पर तीखा हमला किया। हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या ऐसे समय में बढ़ी है जब भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत कर रही है। बुधवार शाम को पंजाब पुलिस ने कई किसान नेताओं को हिरासत में लिया, जब वे ऐसी ही एक बैठक से लौट रहे थे।

नरेंद्र मोदी सरकार में पंजाब से एकमात्र मंत्री बिट्टू ने मान पर आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। एएनआई ने बिट्टू के हवाले से कहा, ष्तू सिर्फ केजरीवाल के इशारे पर काम करता है।ष केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पंजाब के लोग सीएम को राज्य के किसी भी गांव में घुसने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि तुमने सत्ता में बने रहने के लिए पूरे पंजाब और किसानों को दांव पर लगा दिया। तुम देखोगे कि केजरीवाल का कुछ नहीं बिगड़ेगा, लेकिन पंजाब की जनता तुम्हें किसी गांव में घुसने नहीं देगी। बिट्टू ने आरोप लगाया कि मान सरकार नहीं चाहती कि केंद्र और किसानों के बीच बातचीत पूरी हो। उन्होंने कहा कि उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से बातचीत की और वे और पीयूष गोयल यह सुनकर हैरान हैं कि जिन किसानों के साथ उन्होंने ष्सकारात्मकष बातचीत पूरी की थी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एएनआई ने केंद्रीय मंत्री के हवाले से कहा, ष्मैं पंजाब सरकार की इस कार्रवाई की निंदा करता हूं। उन्होंने आपको वोट दिया और पंजाब के सीएम भगवंत मान को शर्म आनी चाहिए। वे (आप सरकार) नहीं चाहते थे कि केंद्र सरकार और किसानों के बीच बातचीत के जरिए कोई समाधान निकले। आपने लुधियाना पश्चिम उपचुनाव जीतने के लिए किसानों को हिरासत में लिया।

विदेश यात्रा से पहले मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष : ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विदेश यात्रा से पहले बृहस्पतिवार को भाजपा और वाम दलों पर उनकी छवि धूमिल

करने के प्रयास किये जाने का आरोप लगाया और कहा कि विदेश यात्रा से पहले किसी नेता पर हमला करने से देश की छवि को नुकसान पहुंचता है। ममता बनर्जी, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए आगामी दिनों में लंदन की यात्रा करने वाली हैं। बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी भी नेता को किसी अन्य नेता की विदेश यात्रा से पहले उसकी छवि खराब नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह व्यक्ति देश का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा, ''ईर्ष्या के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। विपक्ष मेरी आगामी लंदन यात्रा को लेकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मेरी विदेश यात्रा से पहले मुझे बदनाम करके वे देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।'' बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना होंगी। ऑक्सफोर्ड में उनका व्याख्यान 27 मार्च को होगा। अपनी यात्रा के दौरान, वह राज्य में निवेश के लिए 25 मार्च को उद्योगपतियों से भी मिलेंगी। वह 28-29 मार्च को कोलकाता लौटने वाली हैं। केंद्र ने उनकी यात्रा को पिछले हफ्ते मंजूरी दी थी।

परिसीमन पर द्रमुक सदस्यों के विरोध को लेकर संसद के दोनों सदनों में नहीं हो सका कोई काम

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा सीटों के संभावित परिसीमन के विरोध में नारे लिखी टी-शर्ट पहन कर आये द्रमुक और कुछ अन्य विपक्षी सदस्यों के आचरण के कारण गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कई बार के स्थगन के बाद अंततरू दिन भर के लिये स्थगित कर दी गयीं। दोनों सदनों में केवल एजेंडा में शामिल दस्तावेजों को पटल पर जाने के अलावा कोई कामकाज नहीं हो सका। लोकसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे जैसे ही शुरू हुई, टी-शर्ट पहने द्रमुक सदस्य परिसीमन के विरोध में नारे लगाते हुए सदन के बीचोबीच आकर हंगामा करने लगे। पीठासीन अधिकारी कृष्ण प्रसाद टेनेटी ने सदस्यों से हंगामा नहीं करने और सदन की कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा होनी

है, इसलिए सदस्यों को अपनी सीटों पर बैठकर चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए, लेकिन हंगामा कर रहे सदस्यों ने उनके आग्रह को अनसुना कर दिया और हंगामा करते रहे, जिसके कारण पीठासीन अधिकारी ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों ने हंगामा किया, जिसके कारण कार्यवाही 12 बजे तक स्थगित की गयी और प्रश्न काल नहीं चल सका। अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदन मर्यादा से चलता है, गरिमा से चलता है, सभी सदस्यों को नियमों का पालन करना होता है। उन्होंने कहा कि सदस्यों को नियम 249 पढ़ना चाहिए। उन्हें अपना व्यवहार और आचरण अच्छा रखना चाहिए। श्री बिरला ने कहा कि विपक्षी सदस्य नारे लगायेंगे, टी-शर्ट पहन कर सदन में आयेंगे, यह उचित नहीं है। सदन नियमों का पालन करते हुये प्रतिष्ठा से चलेगा, चाहे कोई भी हो, सभी को सदन की मर्यादा का पालन करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि टी-शर्ट पहने विपक्षी सदस्य सदन से बाहर चले जायें, तभी कार्यवाही चलेगी। फिर 12 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, तो सदस्यों ने फिर हंगामा शुरू कर दिया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी गयी। द्रमुक के सदस्यों के नारे लिखी टी-शर्ट पहनकर सदन में आने के कारण राज्यसभा की कार्यवाही भी गुरुवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे राज्यसभा की कार्यवाही पुनः शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश ने आसन पर बैठते ही कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी। इससे पहले द्रमुक के सभी सदस्य सफेद रंग की टी-शर्ट पहनकर सदन में आए। इन टी-शर्ट पर परिसीमन के विरोध में नारे लिखे हुए थे।

राज्य कर्मचारी का दर्जा मिले, बढ़े वेतन और सुविधाएं

प्रयागराज। गर्मी हो, सर्दी या बरसात। दिन हो या रात। हर स्थिति में इन्हें चुनौतियों का सामना करना है। ऐसा भी नहीं कि इनकी नौकरी पक्की है। इन्हें दिहाड़ी मजदूर भी नहीं मान सकते। निश्चित नहीं कि काम के बदले समय पर प्रोत्साहन धनराशि मिल पाएगी। यदि मिलती भी है तो उसके लिए उन्हें ब्लॉक से लेकर मुख्यालय तक धरना–प्रदर्शन और आंदोलन करने की जरूरत पड़ती है। हम बात कर रहे हैं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत जिले में कार्यरत आशा कार्यकत्रियों और आशा संगिनी की। आशा ही स्वास्थ्य विभाग की आखिरी इकाई मानी जाती है। आशा के जरिये ही स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचता है लेकिन इनकी समस्याएं और मांगें अनसुनी रह जाती हैं।

जिले में इस समय 4843 कार्यकत्री और 215 संगिनी हैं। इनमें लगभग 80 आशा कार्यकत्री निष्क्रिय हैं। इनकी जिम्मेदारी है कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की। इसके तहत महिलाओं के सुरक्षित प्रसव, टीकाकरण, गर्भनिरोधक के साथ–साथ सामान्य संक्रमणों की रोकथाम के लिए सर्वेक्षण, परामर्श, एनीमिया, कुपोषण व गैर–संचारी रोगों के प्रति जागरूकता, आयुष्मान कार्ड बनवाने, टीबी समेत अन्य बीमारियों की जांच के लिए बलगम व मल–मूत्र के सैंपल एकत्र करने, समय–समय पर चलने वाले स्वास्थ्य जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए प्रचार–प्रसार समेत लगभग 50 तरह के कार्य शामिल हैं। साथ ही संबंधित योजनाओं के सर्वेक्षण व उससे संबंधित आंकड़ों को मोबाइल एप के जरिए पोर्टल पर दर्ज करना भी नया कार्य शामिल किया गया है। इसलिए मजबूरी में 30 दिन कार्य करना होता है। बढ़ते कार्य के दबाव व प्रोत्साहन राशि के समय से न मिलने से आशाओं में निराशा बढ़ने के साथ स्वास्थ्य योजनाओं की बुनियादी कड़ी भी कमजोर हो रही है। आशा कार्यकत्रियों व संगिनी की मांग है कि उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा प्राप्त हो। साथ ही अपनी योजनाओं में उन्हें भी विकास की राह में शामिल किया जाए जिससे उनका भी भविष्य सुरक्षित हो सके और वह स्वास्थ्य योजनाओं को लक्ष्य के अनुरूप समय से पूरा करने में सकारात्मक सहयोग कर सकें। इस बारे में आशा कार्यकत्रियों और आशा संगिनी ने अपनी पीड़ा आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान से बयां की।

मांगों को लेकर धरना–प्रदर्शन करने को मजबूर

आशा कार्यकत्रियों का कहना है कि उनके पास कार्य का भार इतना है कि खुद नहीं समझ पातीं कि उन्हें कब कौन सा कार्य करना जरूरी है क्योंकि उनकी योग्यता, अनुभव व कौशल को देखकर कार्य कम ही सौंपा जाता है। आशा कार्यकत्रियों में अशिक्षित से लेकर 12वीं पास तक शामिल हैं। मजबूरी में स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन्हें जो कार्य सौंपा जाता है, उसे पूरा कराने में उनके परिजन व रिश्तेदार भी अपनी समझ के अनुसार रजिस्टर भरने से लेकर मोबाइल पर डाटा फीडिंग का कार्य कराते हैं। इससे आंकड़ों की शुचिता पर भी संदेह है। हालांकि आशा कार्यकत्रियों के किए गए कार्य की निगरानी आशा संगिनी करती हैं, लेकिन आशाओं की तरह उनकी भी अनेक समस्याएं हैं, जिनकी सुनवाई नहीं होती। ऐसे में आशा कार्यकत्रियों व आशा संगिनियों की मांग है कि उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। साथ ही न्यूनतम वेतन, छुट्टी, भविष्य निधि, पेंशन, चिकित्सा सहायता, ग्रेज्युटी, जीवन बीमा, मातृत्व लाभ, सामाजिक सुरक्षा, सेवानिवृत्ति जैसे बुनियादी लाभ भी मिले।

अपनी मांगों को लेकर आशा कार्यकत्री और संगिनी ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन (एक्टू) से संबद्ध उप्र आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले अपनी आवाज भी बुलंद करती रहती हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती।

मुख्यालय से सचिवालय तक आंदोलन करने को बाध्य

ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन (एक्टू) के प्रदेश सचिव अनिल वर्मा का कहना है कि कोविड–19 की महामारी के दौरान आशा कार्यकत्रियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर संक्रमितों की पहचान की। टीकाकरण व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनकी सेवाओं को लेकर शासन–प्रशासन का रवैया उदासीन बना हुआ है। आशा कार्यकत्रियों व आशा संगिनियों को बकाया प्रोत्साहन राशि देने, सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, सामाजिक सुरक्षा की गारंटी, दस लाख रुपये की बीमा और उत्पीड़न के खिलाफ जिला मुख्यालय व सचिवालय तक आंदोलन करने के लिए बाध्य हैं।

मानक के अनुरूप नहीं हो रहा चयन

जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रति 1000 की आबादी पर एक आशा कार्यकत्री को नियुक्त किए जाने का मानक है लेकिन इन पर कार्य की जिम्मेदारी 2000 से अधिक आबादी की है। इसी तरह एक आशा संगिनी के जिम्मे 20 से 22 आशा कार्यकत्रियों की निगरानी, उनके क्षेत्र का भ्रमण और उचित मार्गदर्शन करना होता है। साथ ही सम्बंधित आशा कार्यकत्री की रिपोर्ट को प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर व सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के माध्यम से सीएमओ कार्यालय तक पहुंचाना है।

भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिश लागू करने की जरूरत

ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियन (एक्टू) के जिला सचिव देवानंद का कहना है कि 45वें व 46वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिश के अनुरूप आशा कार्यकत्रियों को कर्मचारी के रूप में मान्यता देने व अन्य मांगों को लेकर एक दशक से आंदोलन किया जा रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

शासन तक पहुंचा 400 आशाओं की नियुक्ति का मामला

जिले में आशा कार्यकत्रियों के रिक्त पदों पर हुए चयन में अनियमितताएं भी सामने आती रही हैं। इसमें वर्ष 2024 में 400 आशाओं का चयन मानक के खिलाफ किए जाने का मामला तूल पकड़ा था क्योंकि चयन प्रक्रिया के पहले जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी का अनुमोदन नहीं लिया गया था। आरोप है कि 467 रिक्त पदों में से 400 पदों पर आशाओं की मनमाने ढंग से भर्ती कर दी गई। एक हजार की आबादी पर एक आशा कार्यकत्रियों का चयन किया जाता है। जिस गांव में चयन होना है, वहां खुली बैठक होती है। बैठक में ग्राम प्रधान, एएनएम और सेक्रेटरी शामिल होते हैं। इसमें उसी गांव की अभ्यर्थी से आवेदन लिया जाता है। चयन कर आवेदन संबंधित सीएचसी के अधीक्षक व बीसीपीएम के पास भेजे जाते हैं। हालांकि जिस अधिकारी पर गलत नियुक्ति का आरोप लगाया गया था वह इस समय प्रदेश के एक जिले के सीएमओ हैं। उप्र आशा वर्कर्स यूनियन की पदाधिकारियों का कहना है कि नियुक्त की गईं आशाओं में कुछ की उम्र 18 साल भी पूरी नहीं हुई है।

राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए। ईपीएफ की सुविधा दी जाए। ब्लॉक स्तर पर हो रही घूसखोरी बंद हो। प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी कर समय पर दिया जाए।

काम के बदले में पैसे बहुत ही कम दिए जाते हैं। घर की अलग सुनो, ब्लॉक अधिकारियों की अलग सुनना पड़ता है। काम को लेकर हमेशा दबाव बना रहता है।

पीलीभीत के जिलाध्यक्ष पर दर्ज फर्जी मुकादमा वापस लिया जाए। आशा कर्मचारी कम्प्यूटर वाला सारा काम डाटा ऑपरेटर से करवाया जाए।

प्रोत्साहन राशि के बदले 21 हजार निर्धारित वेतन दिया जाए। लगभग तीन हजार रुपये में रात–दिन कार्य करना होता है। अवकाश भी नहीं मिलता है।

आशा कर्मचारियों को पांच काम के लिए रखा गया है, लेकिन 50 काम लिया जा रहा है। आभा आईडी बनाने के कार्य का भुगतान रुका हुआ है।

मोबाइल से काम बिल्कुल भी न लिया जाए। अगर हम लोगों से डाटा ऑपरेटर का काम लिया जा रहा है, तो वेतन भी उसी आधार पर दिया जाए।

एक हजार आबादी पर एक आशा की नियुक्ति होती है। इस बार की भर्ती में पैसा लेकर तीन आशा कर्मचारियों को नियुक्ति की गई है, जो कि गलत है।

20 से 25 हजार आबादी पर एक संगिनी काम कर रही है। फील्ड में जाने के लिए साधन उपलब्ध कराया जाए। प्रति विजिट 500 रुपए का भुगतान किया जाय।

हम लोगों से जितना काम लिया जाता है, उतना पैसा नहीं दिया जाता है। अधिकारियों की हमेशा सुननी पड़ती है। कोई सहयोग नहीं मिलता।

योग्यता के अनुसार पदोन्नति का अवसर मिले। स्टेशनरी भत्ता दिया जाए। प्रोत्साहन राशि हटाकर एक निश्चित मानदेय दिया जाए।

आभा कार्ड बनाने के दौरान बहुत सारी परेशानियां होती हैं। इंटरनेट भी सही से नहीं चलता है। प्रोत्साहन राशि का पैसा भी पूरा नहीं मिल पाता है।

प्रोत्साहन राशि को बदल कर मानदेय दिया जाना चाहिए। हम लोग 24 घंटे सेवा करते हैं। इसके बावजूद सरकार हम लोगों की तरफ ध्यान नहीं दे रही है।

जांच के सैंपल एकत्र करने में बहुत परेशानियां होती हैं। भुगतान के नाम पर अवैध वसूली पर रोक लगाई जाए। सेवा मानक के अनुसार सुविधाएं मिलें।

बकाया प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी कर भुगतान किया जाना चाहिए। जितना पैसा दिया जाता है। उसमें गुजारा करना बहुत मुश्किल हो रहा है।

हमें इतना पैसा दिया जाए कि हमारे परिवार का गुजारा हो सके। हमारे बच्चे पल सकें। सरकार आशा बहुओं के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है।

कोविड के दौरान अधिकारी लोग घर पर बैठे रहते थे, हम लोग अपने घर परिवार को छोड़कर सारा काम कर रहे थे लेकिन उसकी प्रोत्साहन राशि नहीं मिली।

आशाओं की कई समस्याएं हैं जिनके निराकरण की मांग करती रहती हैं। लेकिन इन मांगों का शासन स्तर पर ही समाधान हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों में उनका पूरा सहयोग है। जो समस्या विभागीय स्तर की है, उसे हल किया जाएगा।

- आशा कार्यकत्रियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है।
- नौकरी की सुरक्षा, नियमित वेतन व स्वास्थ्य बीमा की सुविधा नहीं है।
- न्यूनतम वेतनमान निर्धारित नहीं किया गया है।
- टीबी जांच के सैंपल एकत्र करने में परेशानी हो रही है।
- एकत्र किए गए बलगम के सैंपल खराब होने की संभावना रहती है।
- मोबाइल पर आनलाइन डाटा में भरने में परेशानी होती है।
- नियुक्ति में मानक का समुचित पालन नहीं किया जाता।
- योग्यता के अनुसार पदोन्नति का अवसर नहीं मिलता।
- बकाए प्रोत्साहन राशि का भुगतान रुका हुआ है।
- सरकारी कार्य से जुड़े होने के कारण श्रम कानूनों का पालन किया जाए।
- मौसम के अनुसार ड्रेस उपलब्ध कराया जाए।
- 10 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी जाए।
- सेवा मानक के अनुसार सुविधाओं का ख्याल रखा जाए।
- जिले की जनसंख्या के सापेक्ष पदों पर नियुक्ति की जाए।
- आशा कार्यकत्रियों की भर्ती में निर्धारित मानक का पालन किया जाए।
- उत्पीड़न व भुगतान के नाम पर अवैध वसूली रोकी जाए।
- अस्पतालों में आशा विश्राम घर बनाए जाएं।

छात्राओं के यौन शोषण का आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर गिरफ्तार, सिविल लाइंस से पुलिस ने पकड़ा

प्रयागराज। हाथरस में छात्राओं के यौन शोषण के आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर रजनीश कुमार को प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी हाथरस की पुलिस ने की है।

सिविल लाइंस सुभाष चौराहे के पास एक होटल में देर रात छापा मारकर हाथरस पुलिस की 12 सदस्यीय टीम ने उसे दबोच लिया। रात में ही आरोपी को लेकर टीम हाथरस रवाना हो गई। आरोपी ने अपने किसी परिचित के यहां ठिकाना बना रखा था। इसकी जानकारी हाथरस पुलिस को लग गई। हालांकि सिविल लाइंस पुलिस ऐसी किसी जानकारी से इनकार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर के कब्जे से मिले मोबाइल में सात छात्राओं के अश्लील वीडियो मिले हैं।

किराना दुकानदार के घर पर आधी रात बमबाजी, लगातार तीन धमाकों में दहला इलाका

प्रयागराज। शहर का पुराना कटरा इलाका मंगलवार आधी रात बमबाजी से दहल उठा। यहां किराना दुकानदार अशोक साहू के घर पर देर रात पहुंचे अज्ञात बदमाशों ने एक के बाद एक तीन बम मारे। जोरदार धमाके से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने अज्ञात में केस दर्ज किया है। अशोक पुराना कटरा में रहते हैं और किराना का कारोबार करते हैं। मनमोहन पार्क के पास उनका घर है। उनके बेटे शिवम ने तहरीर देकर पुलिस को बताया कि रोज की तरह मंगलवार रात भी सभी लोग सो रहे थे। रात दो बजे के करीब अचानक जोर के तीन धमाके हुए। वह बाहर निकले तो वहां कोई दिखाई नहीं दिया। बाद में सामने लगे एक सीसीटीवी कैमरे का फुटेज देखा गया तो पता चला कि बाइक से आए तीन युवकों ने उनके घर पर बमबाजी की। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि रात 2रू06 मिनट पर एक बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश पहुंचते हैं। इनमें से एक नीचे उतर जाता है जबकि अन्य दोनों बाइक पर ही बैठकर धीरे–धीरे आगे बढ़ते रहते हैं। अगले ही पल तीसरा बदमाश उनके घर पर बमबाजी शुरू कर देता है। एक के बाद एक तीन बम मारता है और फिर अपने साथियों संग निकल भागता है। बमबाजी करने वाले युवक कौन थे और उन्होंने घटना क्यों अंजाम दी, इस बारे में व्यापारी कुछ नहीं बता पाए।

सुनीता अंतरिक्ष से देख रही थीं महाकुम्भ की आभा

प्रयागराज। 286 दिन के बाद अंतरिक्ष से धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्स को भी प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित महाकुम्भ ने आकर्षित किया था। जब धरती पर सुनीता के सुरक्षित पृथ्वी पर लौटने की दुआएं हो रही थीं, तब वह अंतरिक्ष के अंतर्राष्ट्रीय स्टेशन से महाकुम्भ की तस्वीरें खींच रही थीं। सैटेलाइट कैमरे से खींची गई महाकुम्भ की तस्वीर सुनीता ने अपनी भाभी फाल्गुनी पांड्या को भेजी।

सुनीता विलियम्स के धरती पर सकुशल वापस आने के बाद फाल्गुनी ने मीडिया को दिए साक्षात्कार में अंतरिक्ष से महाकुम्भ की तस्वीर भेजे जाने की बात कही। फाल्गुनी ने बताया कि अंतरिक्ष में फंसी सुनीता से पूछा था कि क्या वह अंतरिक्ष से कुम्भ देख सकती हैं

और वहां से यह कैसा दिखता है। फिर उन्होंने मुझे अंतरिक्ष से महाकुम्भ की तस्वीर भेजी। एक सोशल साइट पर यह भी दावा किया गया है कि सुनीता की भाभी फाल्गुनी महाकुम्भ में प्रयागराज आई थीं। यहां का नजारा देखने के बाद फाल्गुनी ने महाकुम्भ को लेकर सुनीता से बात की थी।

फाल्गुनी ने बताया कि सुनीता तीसरी बार अंतरिक्ष में गईं। इससे पहले 2007 में जब प्रयागराज (तब इलाहाबाद) में अर्धकुम्भ का आयोजन हुआ था, तब भी सुनीता अंतरिक्ष में थीं। धरती पर लौटने के पहले चौटबॉट ग्रोक ने सुनीता के अंतरिक्ष से महाकुम्भ की तस्वीरें लेने की बात कही थी।

किसी ने ग्रोक से इसकी जानकारी मांगी तो जवाब मिला, 'जून 2024 से आईएसएस पर फंसीं सुनीता विलियम्स ने संभवतः प्रयागराज में महाकुम्भ की एक तस्वीर खींची और उसे अपनी रिश्तेदार फाल्गुनी पांड्या को भेजा और कहा कि इसमें आयोजन की चमकदार रोशनी दिखाई गई है। तस्वीर में गंगा के जगमगाते तट और एक चमकता हुआ हवाई दृश्य है, जो उत्सव के पैमाने से मेल खाता है।

हाईकोर्ट की टिप्पणीः महिला का नाड़ा तोड़ना... सिर्फ इतने तथ्य से दुष्कर्म के प्रयास का नहीं बनता मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि पीड़ितो को छूने या उसके कपड़े उतारने को दुष्कर्म का प्रयास नहीं कहा जा सकता है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से आरोपियों के खिलाफ जारी सम्मन को रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पीड़िता को छूने या कपड़े उतारने की कोशिश को दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की कोर्ट ने कासगंज के आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट से जारी सम्मन को रद्द कर दिया। कोर्ट ने यौन हमले की धाराओं के तहत पुनरू आदेश पारित करने का आदेश दिया है। याची के अधिवक्ता ने आरोपियों को झूठा फंसाने की दलील दी। कहा कि दुष्कर्म के प्रयास की धाराओं में सम्मन जारी किया गया है, जबकि यह आरोपों के अनुरूप नहीं है। सम्मन जारी

करते वक्त ट्रायल कोर्ट ने न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं किया। हाईकोर्ट ने आंशिक अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता की छाती को पकड़ लिया, नाड़ा तोड़ दिया और पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की, कुछ लोगों के हस्तक्षेप पर वे भाग गए... सिर्फ इतने तथ्य से दुष्कर्म के प्रयास का मामला नहीं बनता। मामला कासगंज के पटियाली थाना क्षेत्र का है। चार साल पहले पीड़िता की मां ने 12 जनवरी 2022 को ट्रायल कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि 10 नवंबर 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को लौटते वक्त गांव के ही पवन, आकाश और अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया। रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की को पकड़ लिया और उसके कपड़े उतारने का प्रयास करते हुए पुलिया के नीचे खींचने लगे।

लड़की की चीख सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें तमंचा दिखाकर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। शिकायत करने आई पीड़िता की मां को भी आरोपी पवन ने गाली–गलौज करते हुए धमकाया।

जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती के लिए अफसरों से लगाई गुहार

प्रयागराज। जूनियर एडेड शिक्षक भर्ती 2021 पूरी करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने बुधवार को लखनऊ में अफसरों से मुलाकात की। प्रदेश के 3049 एडेड जूनियर हाईस्कूलों में सहायक अध्यापकों और प्रधानाध्यापकों के 1894 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा अक्टूबर 2021 में हुई थी। परिणाम नवंबर 2021 में आया जिस पर सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी ने आपत्तियों के निस्तारण के लिए प्रत्यावेदन मांगे। लगभग 500 अभ्यर्थियों ने प्रत्यावेदन दिए जिनमें 132 सही मिले। इस बीच कुछ अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं कर दी। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट ने भर्ती के आदेश दिए। विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से 31 मार्च तक भर्ती पूरी कराने को कहा था जिसे शिक्षा मंत्री ने बजट सत्र में स्वीकारा भी था लेकिन उसके बावजूद कुछ नहीं हो सका।

गज पर सवार होकर आएंगी मां भगवती

प्रयागराज। आदिशक्ति मां भगवती की आराधना का पर्व चैत्र नवरात्र 30 मार्च को नव संवत्सर के साथ शुरू होगा। चैत्र नवरात्र में मां गज यानि हाथी पर सवार होकर आएंगी और उनका गमन भैंसें पर होने जा रहा है। उत्थान ज्योतिष संस्थान के निदेशक पं. दिवाकर त्रिपाठी पूर्वांचली ने बताया कि गज पर सवार होने से राष्ट्र के साथ ही आम जनमानस के सुख, प्रगति व शांति में वृद्धि का कारक बनेगा। नवरात्र में मां भगवती के नौ स्वरूपों का पूजन–अर्चन 30 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल तक किया जाएगा। इस बार पंचमी तिथि की हानि होने की वजह से नवरात्र नौ दिनों का ना होकर आठ दिन तक रहेगा। दो अप्रैल को चतुर्थी व पंचमी तिथि एक साथ पड़ेगी और मां के कूष्मांडा व स्कंदमाता स्वरूप का पूजन एक साथ किया जाएगा। 30 को कलश स्थापना सूर्योदय से लेकर शाम 6.14 बजे तक की जा सकती है लेकिन शुभ चौघड़िया सुबह 7.30 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 1.30 बजे से लेकर तीन बजे तक किया जाना श्रेष्ठ व शुभ फलदायक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त पूर्वाह्न 11.45 बजे से लेकर दोपहर 12.24 बजे तक कलश स्थापना का है।

फिर शुरू हुई शहर को चमकाने की तैयारी

प्रयागराज। महाकुम्भ के बाद एकबार फिर शहर को साफ सुथरा बनाने की कोशिश शुरू हो गई है। सड़क, घाट और शौचालयों की सफाई को लेकर अचानक नगर निगम गंभीर हो गया है। बसवार में कूड़ा ट्रीटमेंट प्लांट और शहर के एमआरएफ सेंटरों को दुरुस्त किया जा रहा है। केंद्र सरकार की स्वच्छ सर्वेक्षण की टीम किसी भी दिन प्रयागराज आ सकती है। केंद्रीय टीम के प्रयागराज आने की भनक लगते ही नगर निगम ने समग्र स्वच्छता की तैयारी शुरू कर दी। वर्ष 2023 के स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रयागराज के घाटों को वाराणसी के बाद देश में दूसरा स्थान मिला था, लेकिन शहरी सफाई में शहर देश में 71वें स्थान पर रहा। जबकि 2022 में 16वें स्थान पर था। एक झटके में स्वच्छता की रैंकिंग 55 पायदन नीचे गिरने से नगर निगम में खलबली मच गई थी। तब शहर की स्वच्छता रैंकिंग गिरने के पीछे कई कारण गिनाए गए थे।

अग्रवाल समाज ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

मथुरा। अग्रवाल समाज बलदेव ने अग्रवाल रिसॉर्ट में बड़ी धूमधाम से होली मिलन समारोह मनाया गया। होली मिलन का शुभारंभ अग्रवाल समाज के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल,चेयरमैन डॉक्टर मुरारी लाल अग्रवाल, मनीष गर्गाचार्य ,विनोद अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कुलदेवी मां लक्ष्मी और अग्रसेन महाराज के छाया चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित और पुष्प अर्पित कर किया। होली मिलन समारोह में समस्त अतिथियों के चंदन का तिलक लगाकर

पुष्पों की होली खेली गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल ने कहा कि हमारे ब्रज में विभिन्न प्रकार की प्रेम से लठ्ठा मार, लड्डू मार,चढ़ी मार,अबीर गुलाल धूल और रंग से होली खेली जाती है तथा मतभेद और ईर्षा को होलिका दहन में जलाया जाता है। ब्रज की होली अद्भुत और अलौकिक है।कार्यक्रम के मंच पर बाल स्वरूप राधा – कृष्ण ने सभी मन मोहा तथा बाल कलाकारों के रसिया भजनों पर सभी को थिरकने के लिए मजबूर कर दिया वहीं कवि नारायण सिंह की कविताओं ने होली मिलन समारोह में समा बांधते हुए चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में सभी अतिथियों को दाऊजी और रेवती मैया की तस्वीर देकर और पटुका पहना कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उमेश अग्रवाल,विनोद अग्रवाल,डॉक्टर मुरारी लाल अग्रवाल,संजीव अग्रवाल, तुलसीराम अग्रवाल,सुदीप अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,राकेश अग्रवाल,पवन अग्रवाल,दिनेश अग्रवाल,अतुल जिंदल,विनोद अग्रवाल करारी बाले, बादल अग्रवाल, धीरज अग्रवाल ,डॉ जगदीश पाठक,सुजीत वर्मा आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन पवन गोयल ने किया।

मस्जिद मे बालक के साथ मारपीट, लगाई कार्रवाई की गुहार

भोपा। तराहवीह की नमाज के दौरान हुई कहासुनी के बाद बालक को मारपीट कर घायल कर दिया। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव जौली निवासी नफीस कुरैशी ने तहरीर देकर बताया की उसका 11वर्षीय पुत्र आशियान बस स्टेण्ड वाली मस्जिद मे नमाज के लिए गया था। पिछले पांच दिनों से तराहवीह की नमाज के दौरान दूसरा बालक उसपर छीटा कशी कर परेशान कर रहा था। मंगलवार को आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर आशियान को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित के पिता ने बालक की जान को खतरा जताते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मलिहाबाद महिला हत्याकांड, एक्शन में पुलिस आयुक्त, 7 पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

लखनऊ, संवाददाता। मलिहाबाद में मरणासन्न हालत में मिली युवती की मौत के बाद पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सेंगर ने सख्त रुख अख्तियार किया। लापरवाही पाए जाने पर प्रभारी निरीक्षक आलमबाग, चौकी प्रभारी आलमबाग बस स्टैंड और रात्रि अधिकारी आलमबाग व बस स्टैंड ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों, पीआरवी कमांडर व कांस्टेबल सहित कुल सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच के लिए तीन पुलिस टीमें तैनात की गई हैं। गौरतलब है कि 18 मार्च की रात करीब 1.30 बजे अयोध्या जनपद की रहने वाली युवती वाराणसी से इंटरव्यू देकर आलमबाग बस अड्डे पर उतरी थी। जिसके बाद युवती ऑटो रिक्शा पर सवार होकर चिनहट में रहने वाले भाई के घर जा रही थी। युवती मोबाइल फोन के जरिये अपने परिजनो के संपर्क में थी। ऑटो चालक ने उसको गलत रास्ते पर ले जाने का संदेह होने पर अपना लोकेशन परिजनों को भेजी तब उसकी लोकेशन मोहम्मद नगर तालुकेदारी थाना मलिहाबाद दिखा रहा था। अन्तिम लोकेशन मलिहाबाद आने पर परिजनों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना पर दी थी। जिसके आधार पर मलिहाबाद पुलिस टीम ने युवती को मोहम्मद नगर तालुकेदारी के के समीप आम के बाग में अचेत अवस्था में पाया था। उसके बाद पुलिस ने युवती को केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया और जहां इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर युवती की हत्या हुई है। इस मामले में पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सेंगर ने लापरवाही बरतने पर आलमबाग प्रभारी निरीक्षक, चौकी प्रभारी आलमबाग, बस स्टैंड, रात्रि अधिकारी आलमबाग, बस स्टैंड ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मी, पीआरवी कमांडर और कांस्टेबल समेत 7 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है।

राजधानी में निकला 19वीं रमजान का जुलूस, 80 सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे से निगरानी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में 19वीं रमजान को ग्लीम (कंबल का ताबूत) जुलूस निकाला गया। तड़के निकले इस जुलूस में हजारों की संख्या में शिया समुदाय के लोग काले कपड़े पहनकर शामिल हुए। 4 किमी लंबे जुलूस में सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल मौजूद रही। ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई। सआदतगंज स्थित कूफा मस्जिद में पहले मजलिस हुई उसके बाद नमाज अदा की गई। यहां से जुलूस उठकर टूरियावांज, सरकटा नाला, बिल्लौचपुरा होते हुए चौक स्थित पाटा नाला इमामबाड़ा तकि जैदी पहुंचा। 19वीं रमजान को हजरत अली पर तलवार से हमला हुआ था। उसी घटना को याद करते हुए बड़ी संख्या में अकीदतमंद ताबूत के जुलूस में शामिल होते हैं। जुलूस में हजारों की संख्या में पुरुष, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। जुलूस में हर व्यक्ति ताबूत को एक नजर देखना चाहता और उसे छूने के लिए संघर्ष करता हुआ नजर आया। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि 19वीं रमजान के जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। 12 कंपनी पीएसी, 1000 सिपाही, पुलिस मुख्यालय से 50 गजटेड अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। 90 स्थान पर रूफटॉप ड्यूटी लगाई गई है जहां छत के ऊपर से जवान जुलूस की निगरानी कर रहे हैं। 80 स्थान पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

होली मिलन समारोह में कवियों एवं पत्रकारों का हुआ सम्मान

होली सभी के लिए द्वेष रहित एवं सुखमय हो: डॉ. विजयानन्द

झूसी, प्रयागराज। वैश्विक हिंदी महासभा एवं ब्रह्मसमाज सेवा समिति के द्वारा केंद्रीय विद्यापीठ, प्रतिष्ठानपुर, हवेलिया के सभागार में होली मिलन समारोह, होलिकात्सव ,महाभारत पुस्तक का लोकार्पण, हास्यकवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजन किया गया।जिसमें कवियों, तमिल,हिंदी साहित्यकारों एवं पत्रकारों को माल्यार्पण, अंगवस्त्रम प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ० राजलक्ष्मी कृष्णन सुपरिचित हिंदी,तमिल साहित्यकार (चेन्नई, तमिलनाडु) एवं अध्यक्षता संस्थाध्यक्ष डॉ० विजयानन्द भोजपुरी, संस्कृत,हिंदी साहित्यकार एवं अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वैश्विक हिंदी महासभा ने की। विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री श्रीमती मीना तिवारी रहीं। कार्यक्रम श्री गणेश सरस्वती वंदना, गायत्री स्तवन, भगवान परशुराम पूजन से किया गया। होली मिलन समारोह में सभी अतिथियों का स्वागत अबीर गुलाल लगाकर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ० राजलक्ष्मी कृष्णन द्वारा तमिल। से अनुदित कृति श्महाभारत श का लोकार्पण किया गया तथा उन्हें वैश्विक हिंदी महासभा की ओर से दीर्घकालीन साहित्य सेवा के लिए जीवनोपलब्धि एवं वैश्विक हिंदी महासभा शिखर सम्मान 2025 , प्रमाण पत्र ,स्मृति चिन्ह अंगवस्त्रम के साथ प्रदान किया गया। उन्होंने भी साहित्यकार डॉ विजयानन्द को तमिलनाडु से लाया अंगवस्त्रम अर्पित किया।

इसके उपरांत हास्यकवि सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में कवियों,पत्रकारों एवं वरिष्ठ तथा सक्रिय सदस्यों को सम्मानित किया गया। होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि ,अध्यक्ष के अलावा डॉक्टर इंदु जौनपुरी, गंगा प्रसाद त्रिपाठी, योगेश झमाझम , राघवेंद्र आदि कवियों ने होली पर हास्य कविताओं की प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया।

डॉ० राजलक्ष्मी कृष्णन ने कहा कि आजादी के 76 वर्षों के बावजूद भी जो हिंदी को गौरव प्राप्त होना चाहिए, वह नहीं मिला। मैं 81 वर्ष की हो चुकी हूं और आजीवन हिंदी की सेवा करती रहूंगी।हिंदी को लेकर केंद्र सरकार से मांग है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का गौरव प्राप्त हो और नागरी लिपि को राष्ट्र लिपि का दर्जा प्राप्त हो। अध्यक्ष डॉ० विजयानन्द हिंदी साहित्यकार ने कहा कि होली का पर्व सभी के लिए सुखमय हो किसी प्रकार का द्वेषभाव न हो, सनातन धर्म, वैदिक धर्म अपनी एकता संस्कृति एवं संस्कार के प्रति लोग आकर्षक हों, नई पीढियां हिंदी,संस्कृत अपनी मातृभाषायें सीखें ,वेदों-पुराणों का दस मिनट अध्ययन करें, जिससे भारत सोने की चिड़िया फिर से बन सके।

इस समारोह में मुख्य रूप से सर्वश्री चंद्रशेखर तिवारी, डॉ० सियाराम त्रिपाठी, जवाहर त्रिपाठी, चंद्रशेखर मिश्र, कमलाकांत शुक्ल, देवप्रकाश दुबे, अभयनारायण तिवारी, कृष्ण मोहन तिवारी, ज्योतिशंकर चौबे,देवराज शुक्ल, ताराशंकर उपाध्याय , अवध नारायण मिश्र,प्रमोद कुमार त्रिपाठी ,सुरेंद्र कुमार दुबे, शशिकांत पांडेय, त्रिभुवन पांडे बैकुंठ नाथ दुबे ,राजेंद्र पांडेय, अशोक तिवारी आदि ब्रह्म समाज सेवा समिति के सदस्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

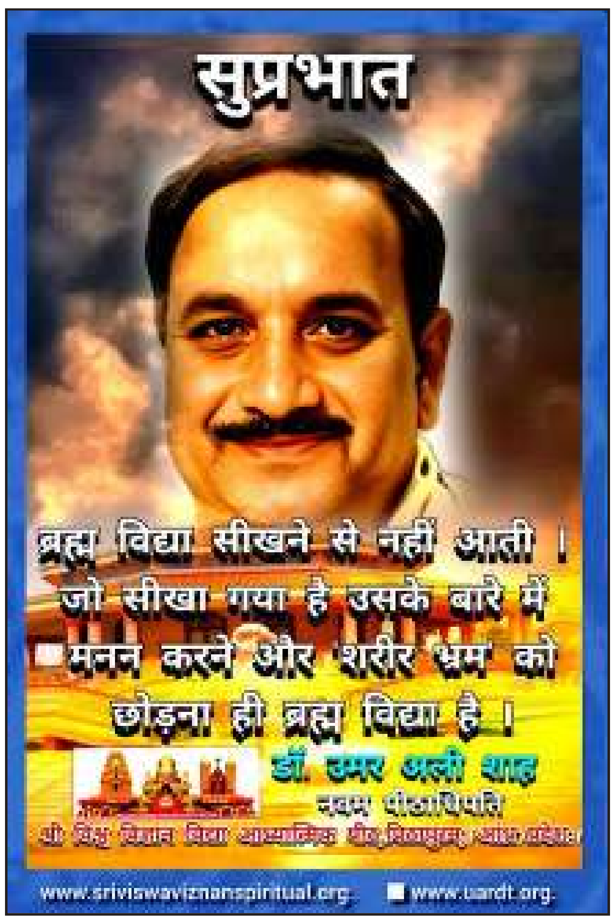

त्योहारों की वाटिका

(कुण्डलिया)

राजनीति मत कीजिए, पढ़िए धर्म–किताब।
त्याग और बलिदान ने, माँगा नहीं हिसाब।
माँगा नहीं हिसाब, नसीहत अच्छी देते।
करके सबसे प्यार, नहीं कुछ उनसे लेते।
समझो तनिक प्रदीप,सहज होकर धर्मरीति।
भूले से करता नहीं, कभी कोई राजनीति। ।

फूलों से मकरंद ले, और प्यार का रंग।
त्योहारों की वाटिका,बनकर एक प्रसंग।
बनकर एक प्रसंग,सुनाती है वह किस्सा।
जग के सारे जीव,परम का ही हैं हिस्सा।
सुनकर कहें प्रदीप, नसीहत लो भूलों से।
बैठो उपवन बीच, आचरण सीखो फूलों से।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बघरा का निरीक्षण किया

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर काजीखेड़ा व पिन्ना का भी निरीक्षण किया गया

मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया के द्वारा आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बघरा में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप का शुभारंभ किया, जहां पर उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान एक महादान है और हम सभी को मिलकर इसके प्रति जन जागरूकता फैलानी चाहिए, साथ ही जो लोग स्वस्थ हैं तथा रक्तदान कर सकते हैं उन्हें अवश्य रक्तदान करना चाहिए। उनके द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण भी किया गया, जहां पर उनके द्वारा स्वास्थ्य केंद्र का गहनता के साथ निरीक्षण कर प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ अश्विनी कुमार को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया के द्वारा आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बघरा का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य केंद्र के समस्त अधिकारी और कर्मचारियों को कहा कि वह अपनी कार्यशैली की गुणवत्ता को ओर अधिक सुधारने का प्रयास करें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील तेवतिया के द्वारा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वैक्सीन कोल्ड चेन, औषधियों के रखरखाव, उपस्थिति पंजिका, आदि का निरीक्षण किया उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की साफ सफाई व्यवस्था को ओर अधिक दुरुस्त करने के लिए निर्देशित किया, साथ ही उन्होंने समस्त चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अपनी निर्धारित वेशभूषा में ड्यूटी करना सुनिश्चित करें । मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बघरा ब्लाक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर काजीखेड़ा व पिन्ना का औचक निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारी व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियो व कर्मचारियों को ससमय उपस्थित होकर पूरी निष्ठा और लगन से कार्य करने के लिए निर्देशित किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला बाइक सवार का शव

दस घंटे से युवक की तलाश में जुटे थे परिजन

मोरना। बुधवार की शाम रास्ते से गायब हुए बाइक सवार युवक का शव गुरुवार की सुबह जंगल की चकरोड़ के किनारे गहराई मे पड़ा मिला है।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पुलिस से घटना

की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना निवासी संतरपाल ने जानकारी देकर बताया की उसका परिवार खेती का काम मजदूरी पर करता है। बुधवार को परिवार के सदस्य मोरना स्थित गौशाला के जंगल मे गन्ने की बुआई के लिए गये थे। बुआई का काम पूरा करने के बाद शाम को परिवार के सदस्य वापस घर लौट रहे थे।उसका पुत्र मनोज 38 वर्ष बाइक द्वारा घर की ओर गया था।जब वह घर पहुंचे तो मनोज को घर न पाकर जानकारी की। मनोज का मोबाईल बंद मिलने पर परिजन चिंतित हो गये और मनोज की तलाश शुरू कर दी।सभी संभावित स्थानों पर मनोज की तलाश की गयी किन्तु उसका कोई पता नहीं चल सका।संतरपाल ने बताया की ब्रहस्पतिवार की सुबह उसका भतीजा सतेन्द्र व अन्य मनोज की तलाश मे जुटे हुए थे की गौशाला मार्ग किनारे पिन्टू वाल्मीकि के गेहूँ के खेत के पास एक गड्ढे मे मनोज का शव पड़ा मिला तथा बाइक भी क्षतिग्रस्त हालत मे मिली। मनोज का शव मिलने से गांव मे हड़कंप मच गया।

आसपा नेता संजय रवि व ग्राम प्रधान सर्वेन्द्र राठी सहित सैंकड़ो की संख्या मे ग्रामीण मौके पर इकठ्ठा हो गये। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश रोरिया व मोरना चौकी इंचार्ज ललित राजपूत ने घटना स्थल का मुआयना किया व शव को पोस्ट मार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया।

मृतक अपने पीछे पत्नी सोनिया पुत्री नैना, सलोनी व पुत्र सुधांशु को छोड़ गया है। पिता सहित माता तारावती भाई प्रदीप, प्रमोद बहन पवित्रा आदि परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है। मोरना मे लगातार हो रहे हादसों से ग्रामीण सहमे हुए हैं। पुलिस के अनुसार अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट के उपरांत कोई अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

फूलो की होली मिलन समारोह

हंडिया। ग्राम सभा हरीपुर ऊर्फ मिश्रपुर मे अभिषेक तिवारी उर्फ रिंकू द्वारा आयोजित फूलो की होली समारोह किया गया जिसमे मुख्य अतिथी श्री मान जिला पंचायत राज अधिकारी श्री रवि शंकर द्रिवेदी ,सहायक विकास अधिकारी धनूपुर श्री खेमराज यादव सभी ग्राम प्रधान हरीपुर और समस्त गण मान्य सम्मानित मित्रगण के साथ होली मिलन समारोह संपन्न हुआ तथा सभी लोगो के द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया मुख्य अतिथि

ने सभी ग्राम वासियों को धन्यवाद देते हुए अभिषेक तिवारी (रिंकू) का भूरी –भूरी प्रशंसा की कार्यक्रम समापन ग्राम प्रधान पतिनिधि पिंटू पाण्डेय ध्दारा किया जिस मौके पर ग्राम प्रधान मर्रो राकेश यादव नन्हे हरीपुर प्रधान सौरभ तिवारी पूर्व ग्राम प्रधान पति बालकृष्ण तिवारी ,प्रभात तिवारी पोहिला दयाल तिवारी विमल ,इन्दुकान्त जय कृष्ण मिश्रा एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे!

धर्म की हानि होने पर भगवान अवतार लेते हैं अरविंद जी महाराज

मुजफ्फरनगर। महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन कथा व्यास अरविंद जी कहां की जब–जब भी धरती पर पाप बढ़ता, धर्म की हानि होती है और जन्म–जन्मांतर से तपस्या में लगी साधुओं को तारने का नंबर आता है तो परमात्मा अवतार लेकर अवतरित होते हैं, कलयुग आज घर तक पहुंच गया है, ग्रहस्त पूर्ण रुप से प्रभावित हो चुके हैं,समय रहते घर बचाना जरूरी हो गया है,आज कथा में मुख्य रूप से वामन चरित्र, सूर्यवंश का वर्णन, श्री राम जन्म और नंद उत्सव श्री कृष्ण का जन्म उमंग और उत्साह के साथ बनाया गया। श्नन्द के आनंद भयो, जय कन्हिया लाल कीश के घोष के साथ पूरे कथा स्थल कृष्ण जन्म भक्ति भाव मय हो गया सकृष्ण जन्म की बधाइयां गायी गई,कथा में आज हनुमान धाम शुकतीर्थ से पधारे

स्वामी केशवानंद सरस्वती जी महाराज ने उपस्थित होकर भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया। कथा के मुख्य यजमान श्रीमती साधना तायल,अजय तायल,श्रुतिका तायल ने व्यास पीठ का पूजन किया। आज कथा में आरती के समय मुख्य रूप से महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर, नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप,वरिष्ठ समाजसेवी भीमसेन कंसल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय शुक्ला, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजू अग्रवाल, भाजपा नेता बिजेंद्र पाल(पूर्व सभासद),सत्य प्रकाश मित्तल,अजय तायल, शिव चरण गर्ग, विनोद सिंघल, मित्र सैन अग्रवाल ,वेद प्रकाश संगल, तेजराज गुप्ता, राकेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंहल,योगेश सिंघल(भगत जी), कुलदीप मित्तल, हरि ॐ शर्मा,पंडित जनार्दन शर्मा, पंडित ब्रह्मप्रकाश शर्मा, मुकेश गोयल,रोशन लाल गर्ग, रचित सिंघल, राजीव गर्ग (गणेशद्रव्य), रविन्द्र (एड),संजय गुप्ता,अशोक तायल वही कथा महिला मंडल में मुख्य रुप से साधना तायल, अंजू अग्रवाल, लतिका गोयल, अलका सिंगल, मयूरी स्वरूप, साधना गोयल, अनीता मित्तल, रेखा मित्तल, सुधा कुचल, नीता बंसल इत्यादि।

सम्पादकीय.......

गर्मी के तल्ख तेवर

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड–गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन–जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन–सहन, खान–पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य शृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर शोध करने वाली एक संस्था का कहना है कि क्षेत्रीय आधार पर चरम मौसम की मार अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग प्रभाव डाल रही है। अब तक देश के जो इलाके बाढ़ के प्रभाव के लिये जाने जाते थे, वहां अब सूखे का असर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर सूखाग्रस्त माने जाने वाले इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे जिलों की संख्या सैकड़ों में बतायी जा रही है, जिसका सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ रहा है। यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर समुद्री जल का तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी। आशंका जताई जा रही है कि इस बार गर्मी नये रिकॉर्ड बना सकती है, जिसके चलते आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर होने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर, हमें बढ़ते तापमान के साथ जीने की कला भी सीखनी ही होगी।

गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या मिलेगा?

डॉ. दीपक पाचपोर

नागपुर के अलावा सोमवार को महाराष्ट्र के कई और शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए, गनीमत है कि किसी अप्रिय घटना की खबर और कहीं से नहीं आई।

आजाद भारत में महाराष्ट्र के नागपुर शहर में पहली बार सांप्रदायिक हिंसा की घटना हुई है। सौ साल पहले 1923 में तत्कालीन सी पी एंड बरार की राजधानी नागपुर में हिंदू–मुस्लिम झगड़े हुए थे, 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की यहां स्थापना हुई, मुख्यालय बना और उसके बाद 1927 में फिर यह शहर सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में आया था। लेकिन आजादी के बाद नागपुर में सांप्रदायिक सद्भाव कायम रहा। संघ की गतिविधियों के बावजूद इस शहर में अमन–चैन कायम रहा तो इसका बड़ा श्रेय यहां की जनता को दिया जाना चाहिए। लेकिन सोमवार को जिस तरह यहां एक अनावश्यक विवाद और उकसावे के बाद हिंसा भड़क गई, उसे देखकर यह दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि जनता का एक वर्ग अपने विवेक को ताक पर रखकर सांप्रदायिक राजनीति में उलझ गया, जिसमें अंततरू नुकसान उसी का होना है। इस हिंसा की पहली जिम्मेदारी सीधे तौर पर राज्य और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा पर आती है, हालांकि देश और दुनिया की सबसे ताकतवर कही जाने वाली इस पार्टी में जिम्मेदारी उठाने के कोई संस्कार नजर नहीं आते। अलबत्ता एक–दूसरे पर ठीकरा फोड़ने की होड़ यहां लगी रहती है। इसलिए यह उम्मीद करना बेमानी है कि मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस इस हिंसा में अपनी सरकार की नाकामी स्वीकार करेंगे, उनके इस्तीफे का तो सवाल ही नहीं उठता, जिसकी मांग विपक्ष उठा चुका है। नागपुर श्री फड़नवीस का गृहनगर है। उनकी राजनीति की शुरुआत यहीं से हुई। इस बार भी उन्होंने यहीं से चुनाव जीता है। उनके अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री नितिन गडकरी भी नागपुर से ही हैं। श्री गडकरी भी नागपुर से ही सांसद बने हैं। भाजपा के इन दो कद्दावर नेताओं के रहते यहां किस तरह सांप्रदायिक शक्तियों को सिर उठाने का मौका मिला, यह सवाल तो भाजपा से बना है। दूसरा सवाल यह है कि सोमवार सुबह से ही नागपुर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे थे, तब पुलिस प्रशासन सतर्क क्यों नहीं हुआ। क्या इस महकमे को अहसास नहीं था कि इस तरह की घटनाएं अक्सर किस अंजाम को पहुंचती हैं। तीसरा सवाल, देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री होने के साथ–साथ गृह मंत्रालय भी संभाल रहे हैं और जब वे उपमुख्यमंत्री थे, तब भी गृहविभाग उनके ही पास था, फिर भी वे इतने बेखबर कैसे रहे कि उनके राज्य और उनके अपने शहर में कौन सी चिंगारी सुलग रही है। या इस चिंगारी को सुलगने और भड़कने देने का इंतजार उन्हें किन्हीं खास वजहों से था। खैर, भाजपा या उसकी सरकार इन सवालों के जवाब देने की जगह विपक्ष को ही राजनीति करने का जिम्मेदार ठहरा देगी, इसकी पूरी उम्मीद है। नागपुर के अलावा सोमवार को महाराष्ट्र के कई और शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए, गनीमत है कि किसी अप्रिय घटना की खबर और कहीं से नहीं आई। फिलहाल एक अहम मुद्दे पर विचार करना जरूरी है कि हिंदूवादी संगठनों को यकायक औरंगजेब की कब्र हटाने का जुनून कैसे सवार हो गया है और इसके लिए कारसेवा का आह्वान कर बाबरी मस्जिद तोड़ने की घटना किस प्रयोजन से याद दिलाई जा रही है? ऐसा नहीं है कि औरंगजेब की आलोचना पहली बार हुई हो। इतिहास के पन्नों में औरंगजेब को एक क्रूर शासक के तौर पर ही दर्ज किया गया है। लेकिन उस क्रूरता को वर्तमान में हिंसा और नफरत कायम करने की मूर्खता अभी की जा रही है। हाल ही में विक्की कौशल अभिनीत फिल्म छावा के आने के बाद औरंगजेब पर विवाद और गहराया। इस फिल्म में शिवाजी के बेटे संभाजी की वीरता को दिखाना उद्देश्य था, लेकिन धर्म के उन्माद में डूबी जनता ने इसमें औरंगजेब के क्रूर चरित्र पर ज्यादा गौर फरमाया। रही–सही कसर बेतुकी राजनैतिक बयानबाजियों ने पूरी कर दी। इस पूरे प्रकरण की कड़ी से कड़ी मिलाएं तो नजर आएगा कि जो कुछ भी कहा गया, आरोप–प्रत्यारोप लगाए गए, ऐतिहासिक घटनाओं का मनमाना विश्लेषण हुआ, वह सब अनायास नहीं है, बल्कि एक चाल चलकर आगे की चार चालों का हिसाब लगाकर सारा खेल रचा गया। सपा सांसद अबू आजमी ने औरंगजेब के बारे में कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज और औरंगजेब के बीच धार्मिक नहीं बल्कि सत्ता और संपत्ति के लिए लड़ाई थी। अगर कोई कहता है कि यह लड़ाई हिंदू और मुसलमान को लेकर थी, तो मैं इस पर विश्वास नहीं करता। इस बयान पर महाराष्ट्र में विवाद खड़ा हुआ, तो श्री आजमी को विधानसभा के बजट सत्र से निलंबित कर दिया गया। उन्होंने सफाई भी दी कि उनके बयान को तोड़ मरोड़ कर पेश किया गया। लेकिन तब तक लाड़ली बहना योजना, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा जैसे अनेक मुद्दों पर घिरी फड़नवीस सरकार को एक नया मुद्दा मिल गया और इसे भाजपा ने भी फौरन लपक लिया। महाराष्ट्र के विवाद की आग जल्द ही देश के दूसरे हिस्सों में फैल गई और एकदम से हिंदूवादी संगठनों को औरंगजेब की कब्र हटाने का ख्याल आ गया। खुद मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने कहा था कि पुरातात्विक संरक्षित स्मारक होने के कारण वे इसे हटा नहीं सकते। किसी ने औरंगजेब की कब्र को शौचालय बनाने कहा, किसी ने अरब सागर में फेंकने का सुझाव दिया। अब एक भाजपा नेता ने कहा है कि इस पर थूकने की इजाजत दी जाए, तो इससे महाराष्ट्र में पर्यटन बढ़ेगा। इस किस्म की बातों से भाजपा की इतिहास की समझ और नजरिए दोनों का अंदाज लगाया जा सकता है। औरंगजेब की कब्र अब कब तक कायम रहेगी या नहीं रहेगी, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। लेकिन ऐसी बातों में उलझने वालों को विचार करना चाहिए कि इससे वर्तमान की समस्याएं क्या हल हो जाएंगी। लोगों के पास रोजगार नहीं है, 80 करोड़ लोग अपने आत्मसम्मान की कीमत पर पांच किलो राशन लेने के लिए कतारों में खड़े होते हैं, हमारे नागरिकों को अमेरिका जंजीरों में कैद करके वापस भेज रहा है, नोटबंदी का हिसाब अभी दिया नहीं गया है, कोरोना काल से अकाल मौतों का सिलसिला अब तक नहीं थमा है। क्या भूतकाल के गड़े मुर्दे उखाड़ने से वर्तमान और भविष्य सुधरेगा, कदापि नहीं।

FOGSI ने मातृ एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए लॉन्च किया प्रोजेक्ट 'अधुना'

मुजफ्फरनगर। देश में गायनेकोलोजिस्ट्स की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एण्ड गायनेकोलोजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (FOGSI) ने प्रोजेक्ट अधुना (Advancing Delivery of Healthcare through Upgraded New-born and Intrapartum Care Approaches) का लॉन्च किया है। इस पहल का उध्देश्य भारत के चार राज्यों– उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, उड़ीसा में निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रसव के दौरान देखभाल को सुदृढ़ बनाना है। मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण के साथ चिकित्सा प्रथाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट अधुना इन राज्यों के 29 चुनिंदा जिलों में स्वास्थ्यसेवाओं को बढ़ावा देगा।

इस पहल के तहत FOGSI ने सीपीडी सत्रों (Continuing Professional Development (CPD)) के तहत वर्कशॉप्स की एक श्रृंखला शुरू की है, जिन्हें चिकित्सकगण / डॉक्टरों, नर्सों एवं पैरामेडिक्स स्टाफ के लिए डिजाइन किया गया है। ये सत्र निजी स्वास्थ्य सुविधाओं की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जिन्हें चिकित्सकीय सुविधाओं में तुरंत लागू किया जा सकता है। ये सीपीडी सत्र डॉक्टरों को मातृ एवं नवजात शिशु देखभाल के लिए नवीनतम नवाचारों, साक्ष्य–आधारित उपायों, कौशल और मुख्य क्षमताओं के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं, ऐसे में यह स्वास्थ्यसेवाओं की सुलभता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रोजेक्ट के विस्तृत दृष्टिकोण पर FOGSI के इमीडिएट पास्ट प्रेजीडेन्ट एवं अधुना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ जयदीप टांक ने कहा, ष्प्रोजेक्ट ।क्भ्न्छ। थ्व्ळैप् की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है जो व्यावहारिक नवाचारों और साक्ष्य–आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देने के साथ–साथ, उच्च गुणवत्ता वाली मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को हर क्षेत्र में समान रूप से उपलब्ध कराने के लिए समर्पित है।

मुजफ्फरनगर, जो प्रोजेक्ट ।क्भ्न्छ। के तहत 29 जिलों में से एक है, ने 19 मार्च, 2025 को अपनी पहली सीपीडी सत्र आयोजित किया। यह कार्यक्रम थ्व्ळैप् की प्रेजीडेन्ट डॉ. सुनीता तांडुलवडकर और अधुना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. जयदीप टैंक के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सत्र का आयोजन मुजफ्फरनगर ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से किया गया, जिसमें डॉ. अनीता अग्रवाल, प्रेजीडेन्ट और प्रीति गर्ग, सेक्रेटरी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। यह वर्कशॉप पलासा होटल और रिजॉर्ट, में आयोजित की गई, जिसमें 70 से अधिक प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में निम्नलिखित डॉक्टरों के समर्थन औरमार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं हो पाता डॉ. सुनीता जैन, डॉ. तारिनी तनेजा, डॉ. निशा मलिक, डॉ. मंजू प्रभाकर, डॉ. रूपम गुप्ता, डॉ. रेखा सिंह, डॉ. दिव्या त्यागी, डॉ. शिल्पी जैन, डॉ. रूही, डॉ. अंजू गर्ग और डॉ. ललिता महेश्वरी।

मुजफ्फरनगर सीपीडी में आयोजित सत्रों के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलुओं को कवर किया गया जैसे इंटरावीनस फेरिक कार्बोक्सीमाल्टोज (प्ट थ्ब्ड) के इस्तेमाल से मातृ एनीमिया का प्रबन्धान, पोस्टपार्टम हेमरेज (च्च्भ्) के प्रबन्धन के लिए ई–मोटिव बंडल से साक्ष्य जुटाना तथा प्रसव के तीसरे चरण का सक्रिय प्रबन्धन। इस अवसर पर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, स्तनपान और माताओं की सम्मानजनक देखभाल से जुड़ी अच्छी प्रथाओं पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ चर्चा एवं विचार–विमर्श भी किया गया।

प्रोजेक्ट अधुना का लॉन्च राष्ट्रीय, राज्य एवं शहरी स्तर पर इसके सदस्यों की भूमिका को सशक्त बनाने के व्ळैप् के मिशन को हासिल करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए साक्ष्य आधारित, आधुनिक एवं एक समान स्वास्थ्यसेवाओं को सुनिश्चित करने में योगदान देगा।

FOGSI के बारे में

फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनोकॉलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (FOGSI) भारत में गायनेकोलोजिस्ट्स का प्रमुख संगठन है। 275 सदस्य सोसाइटियों और 43,011 से अधिक व्यक्तिगत सदस्यों के साथए यह देशभर में फैला सबसे बड़ा संगठन है।

भाषा के मुद्दे पर तमिलनाडु का केंद्र के साथ टकराव बहुत दूर तक चला गया

कल्याणी शंकर

गुरुवार को, तमिलनाडु ने अपने बजट दस्तावेज में आधिकारिक रुपये के प्रतीक(?) को तमिल अक्षर से (??) बदलकर एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक परिवर्तन किया। उच्चारित, यह अक्षर तमिल भाषा में भारतीय मुद्रा का प्रतिनिधित्व करता है और इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री स्टालिन के प्रतीक को बदलने के फैसले का वैश्विक प्रभाव पर व्यापक असर हो सकता है। रुपया भारत की संप्रभुता के सबसे महत्वपूर्ण प्रतीकों में से एक है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले हैं। कुछ लोगों का मानना है कि राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक (डीएमके)इसे चुनावी मुद्दा बनाना चाहती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के खिलाफ एक साहसिक और निर्णायक कदम उठाते हुए, तमिलनाडु सरकार ने राज्य के 2025 के बजट में आधिकारिक रुपये के प्रतीक (?) को तमिल वर्ण से बदल दिया। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की घोषणा कि राज्य के 2025–26 के बजट लोगो में रुपये के प्रतीक का उपयोग किया जायेगा, इस निर्णय के महत्वपूर्ण प्रभाव को रेखांकित करता है। राज्य में सत्तारूढ़ डीएमके भाषा के मुद्दों सहित कई मुद्दों पर केन्द्र से साथ टकराव की स्थिति में है। सोशल मीडिया एक्स पर हाल ही में एक पोस्ट में, स्टालिन ने नये लोगो का एक टीजर वीडियो साझा किया। इसमें हैशटैगद्रविडियन मॉडल और टीएन बजट–2025 के साथ लिखा था, श्तमिलनाडु के व्यापक विकास को सुनिश्चित करना और समाज के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाना।श लोगो में च्व्सब कुछ सबके लिएश भी लिखा था, जो स्पष्ट रूप से समावेशी शासन के लिए डीएमके की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सरकार ने तमिल शब्द रुबाई के पहले अक्षर श्रुश के साथ एक लोगो जारी किया, जिसका अर्थ है मुद्रा। लोगो में कैप्शन है श्सब कुछ सबके लिए। इसका उद्देश्य समावेशिता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाना है और इसका उद्देश्य अपनी विविध आबादी के बीच एकता बनाना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत तीन–भाषा सूत्र पर असहमति और बढ़ गयी है। नया विवाद तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को और बढ़ाता है, खासकर भाषा को लेकर। तमिलनाडु ने केंद्र के त्रि–भाषा फॉर्मूला का विरोध किया है, तथा यह जोर देकर कहता है कि तमिलनाडु अपना द्वि–भाषा फॉर्मूला जारी रखेगा। डीएमके का कहना है कि तमिलनाडु ब्रिटिश उपनिवेशवाद के स्थान पर अब श्हिंदी उपनिवेशवादश को स्वीकार नहीं करेगा। केंद्र सरकार राज्य सरकार पर श्बेईमानश होने और राजनीतिक कारणों से छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाती है। अपने बजट दस्तावेज में, तमिलनाडु ने रुपये के प्रतीक को तमिल अक्षर ?? से बदल दिया, जिससे पता चलता है कि सरकार तमिल संस्कृति की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसके विपरीत, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पूरे भारत में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का उपयोग करने का समर्थन करती है। तमिलनाडु भाषाई विविधता को बढ़ावा देता है और अपनी संस्कृति और पहचान पर गर्व को प्रोत्साहित करता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डीएमके पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पार्टी को तब विरोध करना चाहिए था जब 2010 में यूपीए ने रुपये का प्रतीक अपनाया था। डीएमके केंद्र में सत्तारूढ़ यूपीए गठबंधन का हिस्सा थी। तमिलनाडु 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रीय मुद्रा प्रतीक को अस्वीकार करने वाला पहला राज्य है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रति राज्य के चल रहे प्रतिरोध को दर्शाता है। रुपये का प्रतीक श?श उदय कुमार द्वारा बनाया गया था, जो डीएमके के एक पूर्व विधायक के बेटे हैं और वर्तमान में आईआईटी में प्रोफेसर के रूप में काम करते हैं। 2010 से पहले, लोग अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय रुपये के लिए श्रुश या श्आईएनआरश संक्षिप्त रूप का उपयोग करते थे। इसे कभी–कभी पाकिस्तानी और श्रीलंकाई रुपये के साथ भ्रमित किया जाता है। 2009 में, वित्त मंत्रालय ने रुपये के नये प्रतीक के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की। उन्होंने डिजाइनरों, कलाकारों और जनता को अपने विचार साझा करने के लिए आमंत्रित किया। लक्ष्य एक ऐसा प्रतीक बनाना था जो भारत की आर्थिक ताकत को दर्शाता हो और इसकी सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता हो। यह प्रतीक दुनिया में भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति और प्रभाव को दर्शाता है। व्यापक शोध के बाद उदय कुमार धर्मलिंगम ने रुपया (?) प्रतीक बनाया। उन्होंने रुपये के लिए देवनागरी –रश को रोमन आर के साथ जोड़ा। इससे प्रतीक को एक अनूठी भारतीय पहचान मिलती है और हर जगह के लोगों के लिए इसे पहचानना आसान हो जाता है। हालाँकि, तमिलनाडु सरकार इस प्रतीक का समर्थन नहीं करती है। वह अपनी भाषा को महत्व देती है और देवनागरी लिपि पर आधारित डिजाइन का उपयोग नहीं करना चाहती। जब सरकार ने गुरुवार को विधेयक पेश किया, तो तमिलनाडु राज्य विधानसभा के भाजपा सदस्यों और अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) सदस्यों ने स्टालिन के प्रतीक परिवर्तन का विरोध किया। यह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और द्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को दर्शाता है। आर्य और द्रविड़ समुदायों के बीच संघर्ष एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मुद्दा है। तमिलनाडु तमिल भाषा का जोरदार बचाव करता है और रुपया प्रतीक को अस्वीकार करने वाला एकमात्र राज्य है। यह निर्णय राज्य की अर्थव्यवस्था और केंद्र सरकार और अन्य राज्यों के साथ संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। मुख्यमंत्री स्टालिन का लक्ष्य भाषा के मुद्दे पर एक मजबूत छवि बनाये रखना है। भारतीय रुपया वैश्विक अर्थव्यवस्था में अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इसे चीन के रेनमिनबी (आरएमबी) के साथ–साथ एक संभावित अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में देखता है। कई देश अब भुगतान के लिए रुपया स्वीकार करते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत ने ऐसे व्यापार समझौते किये हैं जिनमें विनिमय के लिए रुपये का उपयोग किया जाता है। समस्या का सार यह है कि क्या तमिलनाडु को दो या तीन भाषाओं के फॉर्मूले का उपयोग करना चाहिए। चिंता यह है कि तीसरी भाषा सीखना तमिलनाडु के छात्रों के लिए एक अतिरिक्त बोझ हो सकता है और इससे पूरे भारत में हिंदी का प्रभुत्व भी बढ़ सकता है। केंद्र और राज्य को एक साथ बैठकर एक उपयुक्त फॉर्मूला खोजना चाहिए।

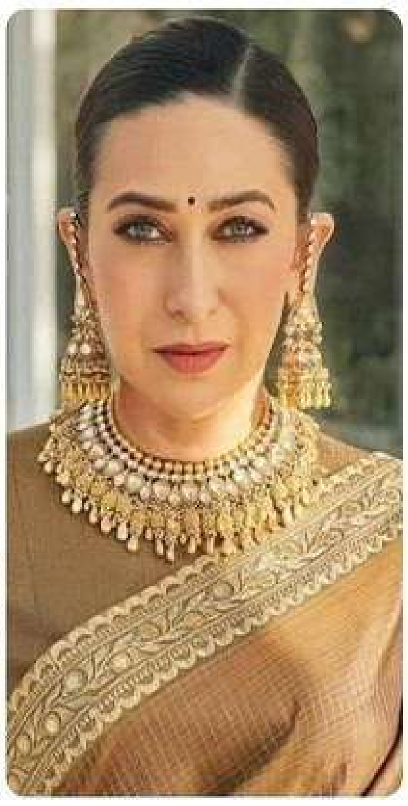

आपकी कहानी है ब्लॉकबस्टर ... बॉलीवुड ने कुछ यूं मनाया सुनीता विलियम्स की घर वापसी का जश्न

"माधवन ने अंतरिक्ष यान की सुरक्षित लैंडिंग को कैप्चर करते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सहायता करते हुए पेशेवरों की एक टीम दिखाई दे रही है। 3 इडियट्स के अभिनेता ने पोस्ट को कैप्शन दिया-हमारी प्यारी सुनीता विलियम्स का पृथ्वी पर स्वागत है।.. हमारी प्रार्थनाएं स्वीकार हुई हैं... आपको सुरक्षित और मुस्कुराते हुए देखकर बहुत अच्छा लगा।

आर माधवन, करिश्मा कपूर, कृति खरबंदा और कई अन्य हस्तियां अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी का जश्न मनाने के लिए एक साथ आए हैं। अपनी प्रशंसा और उत्साह व्यक्त करते हुए, इन सितारों ने सोशल मीडिया पर विलियम्स की उल्लेखनीय यात्रा और उनके अंतरिक्ष मिशन के बाद सुरक्षित वापसी के लिए खुशी मनाई। माधवन ने अंतरिक्ष यान की सुरक्षित लैंडिंग को कैप्चर करते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की सहायता करते हुए पेशेवरों की एक टीम दिखाई दे रही है। 3 इडियट्स के अभिनेता ने पोस्ट को कैप्शन दिया–हमारी प्यारी सुनीता विलियम्स का पृथ्वी पर स्वागत है।.. हमारी प्रार्थनाएं स्वीकार हुई हैं... आपको सुरक्षित और मुस्कुराते हुए देखकर बहुत अच्छा लगा। अंतरिक्ष में 260 से अधिक अनिश्चित दिनों के बाद यह सब ईश्वर की कृपा है और लाखों प्रार्थना करने वाली आत्माओं की प्रार्थनाएँ स्वीकार की जा रही हैं पूरे क्रू–9 में सभी ने बहुत अच्छा काम किया। भगवान आपका भला करे। कृति और करिश्मा ने सुनीता विलियम्स के पृथ्वी पर सुरक्षित लौटने का जश्न अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके वीडियो को फिर से साझा करके मनाया। गीतकार और कवि मनोज मुंतशिर शुक्ला ने अटलांटिक महासागर में विलियम्स के पानी में उतरने का एक वीडियो साझा किया। कैप्शन के लिए, उन्होंने लिखा–यदि आपको यह भूमि याद है, तो मैं भी आसमान से लौटा हूं। उन्होंने लिखा–पृथ्वी पर वापसी पर स्वागत है सुनीता विलियम्सय बुच विल्मोर !! ऐतिहासिक और वीरतापूर्ण घर वापसी!!! आठ दिनों के लिए अंतरिक्ष में गए और 286 दिनों के बाद, पृथ्वी के चारों ओर एक आश्चर्यजनक 4577 परिक्रमाओं के बाद वापस लौटे! आपकी कहानी बेजोड़ नाटकीय, पूरी तरह से नर्वस करने वाली, अविश्वसनीय रूप से नेल–बेटिंग थ्रिलर और अब तक की सबसे बड़ी साहसिक कहानी है। एक सच्ची ब्लू ब्लॉकबस्टर!! आपको और शक्ति मिले!!! / ।जतवत्रैनदप उन्हें वापस लाने के लिए रुैचंबमग्क्तंहवद रुब्तमू9 को बधाई! रुैनदपर्जॅपससपंउे। रकुल प्रीत ने भी एक भावपूर्ण नोट लिखा, जिसमें सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष यात्रा को उनकी ताकत और समर्पण का प्रमाण कहा। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनकी क्रू–9 टीम ने अंतरिक्ष में एक अविश्वसनीय 9 महीने के मिशन के बाद 19 मार्च को पृथ्वी पर एक उल्लेखनीय वापसी की। विलियम्स के साथ–साथ अंतरिक्ष यात्री निक हेग, बुच विल्मोर और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव ने प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरने से पहले पृथ्वी के चारों ओर 4,577 परिक्रमाएं पूरी कीं।

आमिर खान अपनी गर्लफ्रेंड के साथ पहली बार आए मीडिया के सामने, साथ में घुमने निकले

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। हाल ही में वह पहली बार नई पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ कैमरों के सामने आधिकारिक रूप से नजर आए। सुपरस्टार को गौरी के साथ अपनी कार में बैठे देखा गया, ये दृश्य मुंबई के खार इलाके का लग रहे हैं। कपल अपनी टोयोटा वेलफायर में बैठे हुए कैजुअल कपड़ों में थे और मुंबई की गलियों में घूम रहे थे। गौरी आमिर की जिंदगी में तीसरी महिला हैं। अभिनेता ने पहले किरण राव और उससे पहले रीना दत्ता से शादी की थी। आमिर ने मुंबई के बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार प्रॉपर्टी में अपने 60वें जन्मदिन से पहले अपनी लेडी लव गौरी को मीडिया से मिलवाया, जिससे पूरा मीडिया हैरान रह गया। यह सुपरस्टार और लापता लेडीज की निर्देशक किरण राव द्वारा 16 साल की शादी के बाद 2021 में तलाक की घोषणा के बाद आया है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड सुपरस्टार की मुलाकात किरण से ऑस्कर के लिए नामांकित फिल्म लगान के सेट पर हुई थी, जिसे उन्होंने अपनी पहली पत्नी रीना के साथ मिलकर फिल्म में कार्यकारी निर्माता के रूप में काम किया था। सुपरस्टार ने किरण और रीना दोनों से 16–16 साल तक शादी की, उसके बाद उन्होंने इसे खत्म कर दिया। अभिनेता के रीना से दो बच्चे हैं, जुनैद और इरा खान। जुनैद ने पिछले साल अपनी स्ट्रीमिंग फिल्म महाराज से डेब्यू किया था और हाल ही में उन्हें लवयापा में देखा गया था। इरा ने पिछले साल जनवरी में फिटनेस विशेषज्ञ नुपुर शिखरे के साथ शादी की थी। किरण के साथ, अभिनेता का एक बेटा आजाद है, जिसका वे तलाक के बाद भी सह–पालन करते हैं। अभिनेता के बारे में यह भी अफवाह थी कि वह अभिनेत्री फातिमा सना शेख को डेट कर रहे थे, जिनके साथ उन्होंने श्दंगलश में काम किया था। हालांकि, उन्होंने कभी इस बारे में पुष्टि नहीं की या इस बारे में बात नहीं की कि उन्होंने गौरी को आधिकारिक तौर पर मीडिया से कैसे मिलवाया।

आज हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा चहल-धनश्री का रिश्ता, 60 नहीं बल्कि इतने करोड़ एलिमनी देंगे क्रिकेटर

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी अलग रह रही पत्नी धनश्री वर्मा द्वारा तलाक की याचिका दायर करने के बाद अनिवार्य छह महीने की कूलिंग ऑफ पीरियड माफ कर दी और फैमिली कोर्ट को गुरुवार तक उनकी तलाक की याचिका पर फैसला करने का निर्देश दिया। क्रिकेटर और वर्मा ने इस साल 5 फरवरी को फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। दोनों ने आपसी सहमति से तलाक होने के कारण कूलिंग ऑफ पीरियड माफ करने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी। हालांकि, 20 फरवरी को फैमिली कोर्ट ने इसे माफ करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद दोनों ने फैमिली कोर्ट के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। हिंदू विवाह अधिनियम के तहत, तलाक दिए जाने से पहले हर जोड़े को छह महीने की कूलिंग–ऑफ अवधि से गुजरना पड़ता है। हाई कोर्ट के जस्टिस जामदार ने याचिका को मंजूरी दे दी। बार एंड बेंच ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया– बॉम्बे हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया है जिसमें हिंदू विवाह अधि ।नियम के तहत क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक के लिए वैधानिक कूलिंग–ऑफ अवधि को माफ करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया था। बार एंड बेंच के अनुसार, दिसंबर 2020 में शादी करने वाला यह जोड़ा जून 2022 से अलग रह रहा था। चहल ने वर्मा को 4 करोड़ 75 लाख रुपये का स्थायी गुजारा भत्ता देने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसमें से 2 करोड़ 37 लाख और 55 हजार पहले ही चुकाए जा चुके हैं। चूंकि चहल आईपीएल में भागीदार है, इसलिए वकील ने सूचित किया है कि वह 21 मार्च के बाद उपलब्ध नहीं हो सकते। इसलिए फैमिली कोर्ट से अनुरोध किया गया कि वह कल (20 मार्च) तक उनके तलाक की याचिका पर फैसला करे। चहल 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए पंजाब किंग्स टीम का हिस्सा हैं। युजवेंद्र चहल ने 22 दिसंबर, 2020 को डांस कोरियोग्राफर और डेंटिस्ट धनश्री से शादी की थी, अब उनका रिश्ता खत्म हो गया है।

अलका याग्निक को विरासत में मिली थी गायिकी, महज 14 साल की उम्र में मिला था पहला ब्रेक

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर अलका याग्निक आज यानी की 20 मार्च को अपना 59वां जन्मदिन मना रही हैं। महज 14 साल की उम्र में उनको अपना पहला सिंगिंग ब्रेक मिला था। वहीं उन्होंने सिर्फ 6 साल की उम्र से काम करना शुरूकर दिया था। हालांकि अब उन्होंने गाना छोड़ दिया है और इसके पीछे का कारण वह सिंगिंग में आए हुए बदलावों को मानती हैं। अलका का मानना है कि 90 के दशक में जैसे गाने बनते थे, वैसे गाने अब नहीं बनते हैं। अलका याग्निक ने गानों ने कई रिकॉर्ड भी बनाए हैं, जिन्हें कोई दूसरा सिंगर नहीं तोड़ पाया। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर सिंगर अलका याग्निक के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

कोलकाता में 20 मार्च 1966 में अलका याग्निक का जन्म हुआ था। उनकी मां का नाम शुभा याग्निक था, जोकि एक शास्त्रीय संगीतकार थीं। ऐसे में घर में संगीत का माहौल होने की वजह से अलका याग्निक को भी बचपन से ही संगीत में रुचि हो गई थी। अलका याग्निक को संगीत की शिक्षा मां शुभा से मिलीं, वह शास्त्रीय संगीत में पारंगत थीं। अलका महज 6 साल की उम्र से आकाशवाणी के लिए गाने लगी थीं।

पहला ब्रेक

अलका याग्निक की मां शुभा उनको 10 साल की उम्र में लेकर मुंबई आ गईं। इस दौरान उनको 10 साल की उम्र में अभिनेता राजकपूर के कारण पहला म्यूजिक ब्रेक मिला। दरअसल, कोलकाता के एक फिल्म डिस्ट्रिब्यूटर ने राजकपूर को खत भेजकर अलका याग्निक के बारे में बताया। वहीं राजकपूर भी 10 साल छोटी लड़की में इतना हुनर देखकर खुश हो गए। इसके बाद उन्होंने अलका को संगीत निर्देशक लक्ष्मीकांत, प्यारेलाल के पास भेज दिया। इस दौरान उनको साल 1980 में आई फिल्म श्पायल की झंकारश में पहली बार गाना गाने का मौका मिला। इसके बाद साल 1981 में फिल्म श्लावारिसश में उनको गीत गाने का मौका मिला। इन गीतों से अलका याग्निक को इंडस्ट्री में स्थापित होने का मौका मिला।

पंजाबी मुंडे की दुल्हन बनेगी हरियाणा की छोरी, टीम इंडिया के दो खिलाड़ी बनने जा रहे हैं जीवनसाथी

पंजाब का जालंधर दो ओलिंपियन हॉकी प्लेयर्स की शादी का गवाह बनने जा रहा है। ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके भारतीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह जल्द ही दूल्हा बनने जा रहे हैं। उनका दुल्हन और कोई नहीं ओलंपिक खिलाड़ी उदिता दुहन है। खेल के मैदान में दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई अब वह अपने रिश्ते को नया नाम देने जा रहे हैं। दोनों ओलंपिक खिलाड़ियों की शादी 21 मार्च को जालंधर के मॉडल टाउन स्थित श्री गुरुद्वारा सिंह सभा में होगी। दोनों परिवार शादी की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इस कार्यक्रम के तहत 19 फरवरी को डीजे पार्टी होगी, जिसमें भारतीय हॉकी टीम के सभी खिलाड़ी मौजूद रहेंगे। 21 मार्च को सुबह 8 बजे बारात घर से श्री गुरुद्वारा साहिब के लिए निकलेगी और 9 बजे आनंद कारज होगा। शादी के बाद 22 मार्च को रिसेप्शन पार्टी होगी, जिसमें कई खिलाड़ी, पुलिस अधिकारी और राजनेता मौजूद रहेंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर खिलाड़ी उदिता ने 2017 में सीनियर लेवल पर डेब्यू किया था। वह 2018 एशियाई खेलों में रजत, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य और 2023 एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण जीतने वाली टीम का हिस्सा रही हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में भारत को ऐतिहासिक चौथे स्थान पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वह पिछले साल महिला हॉकी इंडिया लीग की नीलामी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली खिलाड़ी भी बनी थीं। 2016 में अपने पिता को खोने के बाद भी उदिता ने शानदार प्रदर्शन कर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि वह कितनी मजबूत हैं। वह न सिर्फ भारतीय टीम की नियमित खिलाड़ी हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने अलग मुकाम हासिल किया है। मनदीप और उदिता की मुलाकात साल 2018 में बेंगलुरु में नेशनल कैंप के दौरान हुई थी। पहले ये सिर्फ अच्छे दोस्त थे और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई। बताया गया था कि लॉकडाउन के समय उनका रिश्ता और मजबूत हो गया था। तभी दोनों ने एकदूसरे का हमसफर बनने का फैसला किया।

एसिडिटी से लेकर किडनी हेल्थ तक में फायदेमंद है बेकिंग सोडा, बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी होगा बचाव

भारतीय किचन में ऐसी कई चीजें होती हैं, जो न सिर्फ खाने में बल्कि अन्य कई चीजों में भी इस्तेमाल की जाती है। इन्हीं में से एक बेकिंग सोडा है। बेकिंग सोडा सेहत से जुड़ी कई समस्याएं चुटकी में हल कर सकता है। अगर किसी को गैस या एसिडिटी की समस्या होती है, तो वह एक गिलास पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर पी लें। इससे मिनटों में आपकी समस्या खत्म हो जाएगी। वहीं बेकिंग सोडा दांतों के पीले रंग को भी गायब कर सकता है। इसके अलावा भी बेकिंग सोडा कई समस्याओं को चुटकियों में हल कर सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि बेकिंग सोडा के क्या–क्या फायदे होते हैं।

बेकिंग सोडा के औषधीय गुण

एंटी एसिड गुण

एंटी सेप्टिक गुण

एंटी इंफ्लेमेटरी गुण

डिटॉक्सिफाइंग गुण

एंटी फंगल गुण

पीएच लेवल

एंटी बैक्टीरियल

UTI इंफेक्शन में रहात

किडनी हेल्थ में सुधार

ओरल हेल्थ में सुधार

दांत होंगे साफ

इसके साथ ही बेकिंग सोडा दांतों में जमे प्लाक यानी की गंदगी को भी हटाता है। हालांकि इसमें फ्लोराइड नहीं होता है। इसलिए कैविटी से बचने के लिए आप बेकिंड सोडा के साथ टूथपेस्ट मिला सकते हैं। इससे आपकी ओरल हेल्थ भी अच्छी रहती है।

सस्ता माउथवॉश

अगर आपकी सांसों से भी बदबू आती है, तो पानी में बेकिंग सोडा मिलाकर कुल्ला करें। इससे मुंह में मौजूद बैक्टीरिया खत्म होती है और बदबू भी खत्म हो सकती है। इससे मुंह के इंफेक्शन का जोखिम भी खत्म होता है।

नेचुरल डिओडरेंट

बेकिंग सोडा एक प्राकृतिक डिओडरेंट है। यह शरीर से आने वाली बदबू को खत्म करता है। इसको आप अपनी बगल यानी की आर्मपिट्स में लगा सकते हैं। यह एक एंटीफंगल है, जो स्किन के डिजीज जोखिम को भी कम करता है।

किडनी फंक्शनिंग को सपोर्ट

किडनी की समस्या होने पर ब्लड पूरी तरह से एसिड और बाकी गंदगी को नहीं छान पाती है। इससे शरीर में एसिड जमा होने लगता है। जिसकी वजह से शरीर में एसिड जमा होने लगता है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति रहने से मसल्स और हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। ऐसे में बेकिंग सोडा एसिड कम कर सकती हैं। लेकिन इस स्थिति में बेकिंग सोडा का सेवन करने से पहले डॉक्टर से कंसल्ट जरुर करें।

स्किन की जलन होगी कम

कीड़े या मच्छर के काटने से स्किन पर खुजली या जलन होती है। इस पर बेकिंग सोडा लगाने से राहत मिल सकती है। बेकिंग सोडा में एंटीसेप्टिक गुण पाया जाता है। ऐसे में आप इसको पानी में मिलाकर लगा सकते हैं।

दर्द से राहत

सोडियम बाई कार्बोनेट पेन किलर दवा के रूप में काम करता है। इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपको सनबर्न या फिर हल्की जलन है, तो बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर लगाने से दर्द से राहत मिल सकती है।

एसिडिटी और गैस से राहत

पेट में जलन या एसिडिटी की समस्या होने पर आधा चम्मच बेकिंग सोडा पानी में मिलाकर पीने से आपको राहत मिल सकती है। बेकिंग सोडा एल्केलाइन यानी बेसिक नेचर एसिडिटी खत्म कर देता है। हालांकि इसे बच्चे को देने से पहले डॉक्टर से जरूर कंसल्ट कर लें।

स्ट्रेस से राहत

बता दें कि बेकिंग सोडा स्ट्रेस को कम करता है और यह शरीर और दिमाग में इंफ्लेमेशन कम करके तनाव कर कम करता है। यह शरीर का पीएच लेवल संतुलित करता है। इससे तनाव में भी राहत मिलती है।

बच्चों की तरह हो जाएगी चाल, लड़खड़ाएगी जुबान.... नॉर्मल जिंदगी जीने में अभी सुनीता विलियम्स को लगेगा वक्त

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के अंदर अंतरिक्ष यात्रियों को हवा में तैरते देखना भले ही मजेदार लगता हो, लेकिन वहां गुरुत्वाकर्षण नहीं होने का असर धरती पर लौटने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों पर लंबे समय तक रहता है और उन्हें मतली, चक्कर आने, बात करने और चलने में दिक्कत जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ता है। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर तथा रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव बुधवार को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान से पृथ्वी पर लौट आए। वे दोनों आठ दिन के मिशन के लिए ही गए थे, लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण ये लगभग नौ माह से अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए थे।

बच्चे की तरह मुलायम हो जाते हैं अंतरिक्ष यात्रियों के तलवे

विभिन्न अंतरिक्ष मिशन के तहत यात्रा कर चुके कई अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने के बाद चलने में कठिनाई, देखने में दिक्कत, चक्कर आने तथा 'बेबी फीट नामक स्थिति जैसी चुनौतियों का सामना करने की बात कही है। 'बेबी फीट का तात्पर्य है कि अंतरिक्ष यात्रियों के तलवों की त्वचा का मोटा हिस्सा निकल जाता है और उनके तलवे बच्चे की तरह मुलायम हो जाते हैं। ह्यूस्टन स्थित 'बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन ने अंतरिक्ष में शरीर में होने वाले बदलावों के बारे में कहा– ''जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर वापस लौटते हैं तो उन्हें पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार तुरंत फिर से ढलना पड़ता है। उन्हें खड़े होने, अपनी दृष्टि को स्थिर करने, चलने और मुड़ने में समस्या हो सकती है। पृथ्वी पर लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को उनकी बेहतरी के लिए पृथ्वी पर लौटने के तुरंत बाद अक्सर एक कुर्सी पर बिठाया जाता है।'' अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर जीवन के अनुसार स्वयं को फिर से ढालने में कई सप्ताह लगते हैं।

ग्रैविटी सिकनेस भी है बड़ी समस्या

कान के अंदर स्थित 'वेस्टिबुलर अंग मस्तिष्क को गुरुत्वाकर्षण के बारे में जानकारी भेजकर पृथ्वी पर चलते समय मनुष्यों को अपने शरीर को संतुलित रखने में मदद करता है। जापानी अंतरिक्ष एजेंसी 'जेएएक्सए ने बताया– ''अंतरिक्ष में कम गुरुत्वाकर्षण के कारण 'वेस्टिबुलरश अंगों से प्राप्त होने वाली जानकारी में बदलाव आता है। ऐसा माना जाता है कि इससे मस्तिष्क भ्रमित हो जाता है और 'स्पेस सिकनेस (अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले कई लोगों को होने वाली स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत) हो जाती है। जब आप पृथ्वी पर वापस आते हैं, तो आप पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के प्रभावों का फिर से अनुभव करते हैं और इस प्रकार कभी–कभी 'ग्रैविटी सिकनेस हो जाती है, जिसके लक्षण 'स्पेस सिकनेसश जैसे ही होते हैं। पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण रक्त और अन्य शारीरिक तरल पदार्थों को शरीर के निचले हिस्से की ओर खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में भारहीनता के कारण अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर में ये तरल पदार्थ शरीर के ऊपरी हिस्सों में जमा हो जाते हैं और इसी कारण वे फूले हुए नजर आते हैं। जेएएक्सए ने कहा– ''पृथ्वी पर लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों को खड़े होने पर अक्सर चक्कर आते हैं। इस स्थिति को 'ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशनश कहा जाता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण अंतरिक्ष की तुलना में अधिक मजबूत होता है और हृदय से सिर तक रक्त पहुंचना अधिक कठिन होता है। गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण हड्डियों के घनत्व में काफी और अक्सर अपूरणीय कमी आती है।

हड्डियों और मांसपेशियों हो जाती है कमजोर

नासा के अनुसार, अगर अंतरिक्ष यात्री इस कमी को दूर करने के लिए सावधानी नहीं बरतते हैं, तो वजन सहन करने वाली हड्डियों का घनत्व अंतरिक्ष में हर महीने करीब एक प्रतिशत कम हो जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक सख्त व्यायाम व्यवस्था है। नासा ने कहा– ''अंतरिक्ष यात्रियों को शून्य गुरुत्वाकर्षण के कारण हड्डियों और मांसपेशियों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए 'ट्रेडमिलश या स्थिर साइकिल का उपयोग करके प्रतिदिन दो घंटे व्यायाम करना आवश्यक है। यह व्यायाम नहीं करने पर अंतरिक्ष यात्री महीनों तक अंतरिक्ष में तैरने के बाद पृथ्वी पर लौटने के बाद चलने या खड़े होने में असमर्थ रहेंगे। कनाडाई अंतरिक्ष यात्री क्रिस हैडफील्ड ने बताया कि उन्हें अंतरिक्ष में जीभ के भारहीन होने के कारण 2013 में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से लौटते पर बात करते समय दिक्कत हुई। हैडफील्ड ने कहा– ''पृथ्वी पर लौटने के तुरंत बाद मैं अपने होठों और जीभ का वजन महसूस कर सकता था और मुझे अपनी बातचीत का तरीका बदलना पड़ा। मुझे एहसास ही नहीं हुआ था कि मुझे भारहीन जीभ से बात करने की आदत हो गई थी। रोग प्रतिरोधी क्षमता कमजोर हो जाने के कारण पृथ्वी पर लौटने पर अंतरिक्ष यात्रियों को संक्रमण और बीमारी का खतरा भी अधिक रहता है।

कम उम्र में सफेद बालों की समस्या ने कर दिया है परेशान तो ट्राई करें ये नुस्खा, मजबूत होंगे बाल

उम्र बढ़ने के साथ ही बालों का सफेद होना नेचुरल है। लेकिन कई बार समय से पहले बाल सफेद होने लगते हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। धूप में बहुत अधिक रहना, स्ट्रेस, पॉल्युशन, शरीर में न्यूट्रिशन की कमी, कुछ हेल्थ कंडीशन्स की वजह से भी बाल समय से पहले सफेद होने लगते हैं। हालांकि हेयर कलर करके सफेद बालों को छिपाया जा सकता है, लेकिन यह इसका सही उपाय नहीं हैं। ऐसे में आपको सफेद बालों को छिपाने की बजाय इन्हें कम करने पर ध्यान देना चाहिए। सफेद बालों को कम करने के लिए आपको अपनी डाइट में हेल्दी बदलाव करना चाहिए। क्योंकि कई बार शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी होने पर भी सफेद बालों की समस्या को नहीं रोका जा सकता है। इसके अलावा आप चाहें तो सफेद बालों की समस्या को कम करने के लिए आप कुछ देसी नुस्खे भी आजमा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके साथ एक ऐसा देसी नुस्खा शेयर करने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से न सिर्फ सफेद बाल कम होंगे, बल्कि इससे हेयरफॉल की समस्या भी काफी हद तक कम होगी।

बालों की जड़ों में लगाएं यह पेस्ट

सबसे पहले मुट्ठी भर करी पत्ते लेकर उनको साफ पानी से धो लें। फिर इनको पीस लें और दही के साथ मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। अब इस पेस्ट को अपने स्कैल्प पर अप्लाई करें। इसको लगाने के बाद करीब 30 मिनट तक ऐसे ही रहने दें और फिर साफ पानी से बालों को धो लें।

आजमाएं ये देसी नुस्खा

बता दें कि करीपत्ता मेलेनिन के प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है और यह बालों को काला करने का काम करता है।

करीपत्ता बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है, बालों की ग्रोथ बढ़ाने, डैंड्रफ कम करने और बालों को मुलायम और शाइनी बनाने में मदद करता है। करीपत्ता बालों का झड़ना कम करता है और बालों को मजबूती मिलती है। इस पत्ती से स्कैल्प को पोषण मिलता है।

करीपत्ते में विटामिन सी, एंटी–ऑक्सीडेंट, विटामिन बी और प्रोटीन पाया जाता है। जिससे बालों से जुड़ी दिक्कतें दूर होती हैं।

बालों में करीपत्ता का पेस्ट लगाने से और इसको डाइट में शामिल करने से भी बालों को मजबूती मिलती है।

करीपत्ता में एंटी–ऑक्सीडेंट पाया जाता है, जोकि बालों के पोर्स को मजबूती देता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है और बाल समय से पहले सफेद नहीं होते हैं।

चकोतरा खाने से कभी नहीं आएगा हार्ट अटैक, साफ हो जाएंगी नसें, इस तरह से खाएं

खतरनाक बीमारियों में से दिल की बीमारी भी है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खान–पान के कारण हेल्थ पर असर पड़ता है। दिल की बीमारी से हर साल लाखों लोगों की मौत हो रही है। खाने में फैट की ज्यादा मात्रा, एक्सराइज की कमी, स्मोकिंग–एल्कोहॉल से इन कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा बढ़ जाता है। जिससे हार्ट का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप हार्ट अटैक से बचना चाहते हैं, तो चकोतरा फल जरुर खाएं।

चकोतरा खाने से घटेगा कोलेस्ट्रॉल

चकोतरा फल में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है। यह फल बेहद खट्टा होता, जिस वजह से कई लोग इसका सेवन नहीं करते हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक कि यह फल गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करके आर्टरी को साफ करने के काम आ सकता है।

चकोतरा खाने का सही तरीका

अमेरिक हार्ट एसोसिएशन बताया है कि चकोतरा को संतरे की तरह खाना चाहिए। इसका छिलका हटाकर खाएं। एक–एक फांक जरुर खाएं इसके साथ ही फंकों के ऊपर की झिल्ली को फेंके नहीं।

झिल्ली से होता है असली इलाज

चकोतरा की फांक की झिल्ली को मेंब्रेन कहा जाता है। इस फल में सबसे ज्यादा फाइबर होता है, जोकि एलडीएल नाम के गंदे कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। बता दें कि इस डाइटरी फाइबर को पेक्टिन कहते हैं, जो हमारे गट हेल्थी बैक्टीरिया के लिए भी काफी जरुरी है।

चकोतरा को फ्रिज में न रखें

चकोतरा को हमेशा रुम टेंप्रेचर पर ही खाना चाहिए। अगर आप इसे फल को एक हफ्ते के अंदर खाने वाले हैं तो इसे फ्रिज में ना रखें। यदि आप इससे ज्यादा समय तक रखना चाहते हैं, तभी इसको फ्रिज में रखें। वरना चकोतरा को नॉर्मल तापमान पर ही सेवन करें।

संक्षिप्त

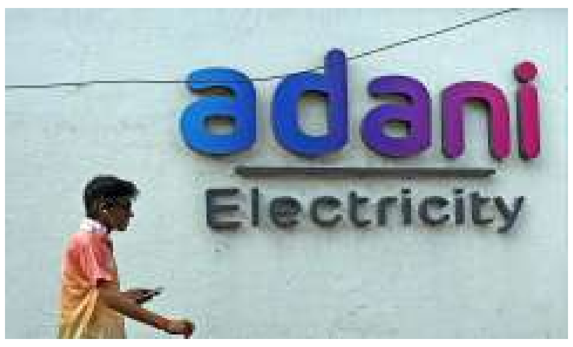

अडानी समूह ने किया ऐसा ऐलान, मच गया शेयर बाजार में हाहाकार, कई कंपनियों के स्टॉक औंधे मुंह गिरे

अडानी समूह ने बड़ा ऐलान किया है जिससे शेयर बाजार में घमासान मच गया है। अडानी ग्रूप ने जो जानकारी दी है उससे अल्ट्राटेक (आदित्य बिरला समूह की कंपनी) के लिए भी दिक्कत हो गई है। अडानी समूह ने ऐलान किया है कि अब कंपनी वायर एंड केबल्स सेक्टर में कदम रखने जा रही है। कुछ समय पहले ही आदित्य बिरला समूह ने इस फिल्ड में एंट्री ली है जिसके बाद अडानी ग्रूप भी इसमें शामिल हो गया है। देश के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति गौतम अडानी का अडानी समूह ने ज्वाइंट वेंचर कंपनी प्रणीता इकोकेबल्स लिमिटेड के साथ इस फिल्ड में आने का फैसला किया है। कच्छ कॉपर लिमिटेड ने कंपनी के साथ वायर एंड केबल व्यापार की शुरुआत करने का फैसला किया है। इसमें दोनों के पास ही कंपनी की 50–50 फीसदी हिस्सेदारी होगी। अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने स्टॉक एक्सचेंज में रेगुलेटरी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी गई है। फाइलिंग के मुताबिक अडानी समूह की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का कहना है कि नई कंपनी वायर एंड केबल्स और मेटल्स के लिए होगी। कंपनी द्वारा इसके प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग, मार्केटिंग, डिस्ट्रीब्यूशन किया जाएगा। माना जा रहा है कि वायर एंड केबल्स सेक्टर में अडानी समूह के आने से इस सेक्टर में कॉम्पिटिशन काफी अधिक बढ़ जाएगा। अडानी समूह का ये ऐलान होती है शेयर बाजार में भी घमासान मच गया। शेयर मार्केट में वायर एंड केबल्स सेक्टर के शेयरों में जोरदार गिरावट देखी गई है। बता दें कि इस ऐलान के बाद कारोबारी सेशन में पॉलीकैब इंडिया, हैवल्स इँडिया लिमिटेड, आरआर काबेल, फिनोलेक्स केबल्स के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि जब अल्ट्राटेक सीमेंट ने इस सेक्टर में आने की घोषणा की थी तब भी इस सेक्टर के शेयर 20 फीसदी टूटे थे।

रेमंड कंपनी में फिर होने लगा बवाल, गौतम सिंघानिया की पूर्व पत्नी नवाज मोदी ने उठाया ये कदम

रेमंड ग्रुप फिर से चर्चा में है। इस बार कंपनी के मैनेजमेंट स्तर पर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। इससे पहले ग्रुप उस समय चर्चा में आया था जब वर्ष 2024 में ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया और उनकी पत्नी नवाज मोदी के बीच तलाक का मुद्दा गर्माया था। नवाज मोदी ने गौतम सिंघानिया पर

मारपीट के आरोप लगाए थे। इसके साथ ही उनकी संपत्ति में बड़ा हिस्सा भी मांगा था। अब नवाज मोदी ने सभी को फिर से हैरान कर दिया है। नवाज मोदी ने रेमंड बोर्ड में निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है।

इस दिन से इस्तीफा प्रभावी

रिपोर्ट की मानें तो रेमंड लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी उनसे अलग रह रही है। अब वो कंपनी के बोर्ड से भी अलग हो गई है। कंपनी ने इसकी जानकारी 19 मार्च को दी है। कंपनी के बयान की मानें तो कंपनी बोर्ड के निदेशक पद से नवाज मोदी सिंघानिाया ने इस्तीफा दिया है जो 19 मार्च से प्रभावी है। जानकारी के मुताबिक गौतम सिंघानिया की पत्नी नवाज मोदी की पत्नी ने बोर्ड को अपना इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे में उन्होंने लिखा है कि वो निजी कारणों से इस्तीफा दे रही हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को भी सहयोग के लिए धन्यवाद दिया है।

आर्थिक विकास को गति देने के लिए अंतरिक्ष तकनीक का व्यावसायिक प्रयोग बढ़ाना जरूरी, बोले पूर्व इसरो चीफ

नई दिल्ली। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र महत्वपूर्ण बदलाव के मुहाने पर है लेकिन आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिक प्रयोगों को बढ़ाने की जरूरत है। इसरो के पूर्व अध्यक्ष एस सोमनाथ ने गुरुवार को यह बात कही। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक बदलाव पर प्रकाश डाला। सोमनाथ ने कहा कि भारत ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी इसका अभियान मुख्य रूप से सरकारी कार्यक्रमों तक ही सीमित रहा है। उन्होंने कहा, ष्अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग सामाजिक और सरकारी कार्यक्रमों पर केंद्रित रहा है। अब इसे वाणिज्यिक क्षेत्र में लाना और इसका मुद्रीकरण करना महत्वपूर्ण है।ष उन्होंने बताया कि भारत में अंतरिक्ष अनुप्रयोगों की पहुंच सीमित है और संभावित बाजार का केवल 10 प्रतिशत हासिल किया जा सकता है। सोमनाथ ने कहा, भारत 145 करोड़ लोगों वाला एक विशाल देश है, लेकिन एप्लीकेशन की पहुंच बहुत कम है। हम केवल सीमित डोमेन में ही सेवा दे रहे हैं। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को व्यवहार्य व्यावसायिक अवसरों में बदलने की आवश्यकता पर बल दिया। पूर्व इसरो प्रमुख ने मत्स्य पालन जैसे क्षेत्रों का उदाहरण दिया, जहां उपग्रह डेटा पारंपरिक तौर–तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

आईपीएल 2025 : बीसीसीआई ने गेंद पर लार के इस्तेमाल से प्रतिबंध हटाया, 10 टीमों के कप्तानों ने बैठक में जताई सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। बीसीसीआई ने गुरुवार को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटा दिया। बोर्ड ने यह फैसला 10 टीमों के कप्तानों की सहमति के बाद लिया। आईसीसी ने कोरोना के दौरान गेंद को चमकाने के लिए उस पर लार लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईपीएल ने भी प्रतिबंध जारी रखा। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से कहा– यह निर्णय मुंबई में कप्तानों की बैठक में लिया गया। लार पर प्रतिबंध हटा लिया गया है। अधिकांश कप्तान इस कदम के पक्ष में थे।

कोरोना के दौरान बना था नियम

आईपीएल के दिशा निर्देश आईसीसी के अधिकार क्षेत्र से परे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार कोरोना से पहले गेंद पर लार लगाना आम बात थी। अब कोरोना का खतरा नहीं है तो आईपीएल में गेंद पर लार लगाने का लगा प्रतिबंध हटाने में बुराई नहीं है। इससे पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी से गेंद पर लार का इस्तेमाल करने की मंजूरी देने का आग्रह किया था। लार के इस्तेमाल पर रोक से तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग कराने में कठिनाई हो रही थी। इस पर अब बीसीसीआई ने मंजूरी दे दी है।

शमी ने उठाई थी प्रतिबंध हटाने की मांग

मोहम्मद शमी ने कहा था कि गेंद पर लार लगाने की जरूरत है वरना यह पूरी तरह से बल्लेबाजों के पक्ष में हो जाएगा। शमी ने कहा, 'हम रिवर्स स्विंग करने का प्रयास करते हैं, लेकिन आप गेंद पर लार का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। हम लगातार लार का इस्तेमाल करने की मंजूरी

मांग रहे हैं और रिवर्स स्विंग होने से खेल दिलचस्प हो जाएगा।'

22 मार्च से आईपीएल के 18वें सीजन का आगाज

आईपीएल 2025 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। पहला मैच डिफेंडिंग चौंपियंस कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। इस साल 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 70 लीग राउंड और चार प्लेऑफ के मुकाबले होंगे। फाइनल समेत प्लेऑफ के सभी मुकाबले 20 से 25 मई तक हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे।

हैदराबाद 20 मई, 2025 और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा। इसके बाद कोलकाता 23 मई, 2025 को क्वालिफायर 2 की और 25 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा। आईपीएल 2025 में कुल 12 डबल हेडर्स हैं। डबल हेडर वाले दिन पहला मैच दोपहर साढ़े तीन बजे से और दूसरा मैच शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।

अब राजस्थान ने भी शुरुआती तीन मैचों की लिए बदला कप्तान, इस युवा को सौंपी कमान, सैमसन को दी नई भूमिका

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल 2025 में कई टीमों ने नए–नए कप्तान की घोषणा की है। इसी कड़ी में एक और टीम राजस्थान

रॉयल्स का नाम भी शामिल हो गया है। दरअसल, राजस्थान ने अपने शुरुआती तीन मैचों के लिए उभरते सितारे 23 साल के रियान पराग को कमान सौंपी है। वहीं, नियमित कप्तान संजू सैमसन विशेषज्ञ बल्लेबाज के साथ–साथ इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट की भूमिका में दिखेंगे। 23 वर्षीय रियान पराग विराट कोहली के बाद आईपीएल के सबसे युवा कप्तानों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। राजस्थान ने फिलहाल शुरुआती तीन मैचों के लिए ऐसा किया है, लेकिन परेशानी आगे भी रही तो यह सिलसिला आगे भी बढ़ सकता है। राजस्थान से पहले पांच और टीमों ने कप्तान बदले हैं। इनमें पंजाब किंग्स, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं।

सैमसन की अंगुली में है चोट

दरअसल, सैमसन फिलहाल अंगुली की सर्जरी से गुजरे हैं और उन्हें अब तक विकेटकीपिंग करने की मंजूरी नहीं मिली है। सैमसन को मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान जोफ्रा आर्चर की गेंद पर अंगुली में चोट लगी थी और उनका अंगुली फ्रैक्चर हो गया था। इसके बाद उन्हें एक छोटी सी सर्जरी करानी पड़ी थी। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी के लिए मंजूरी दे दी गई है, लेकिन समझा जाता है कि बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मेडिकल और खेल विज्ञान टीम चाहती है कि विकेटकीपिंग शुरू करने से पहले वह अपनी अंगुली को कुछ और वक्त तक आराम दें।

राजस्थान फ्रेंचाइजी ने की पुष्टि

राजस्थान रॉयल्स ने एक बयान में कहा, रियान पराग आईपीएल 2025 के पहले तीन मैचों के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। यह युवा ऑलराउंडर 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में टीम की कप्तानी करेगा। इसके बाद 26 मार्च को गत चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और 30 मार्च को पांच बार की चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ घरेलू मुकाबले में भी टीम का नेतृत्व करेगा।

पराग को यशस्वी पर दी गई तरजीह

सैमसन रॉयल्स टीम का अहम हिस्सा हैं और जब तक उन्हें विकेटकीपिंग और फील्डिंग की अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक वह बल्ले से अहम भूमिका निभाते दिखेंगे। पूरी तरह से फिट होने के बाद वह कप्तान के तौर पर वापसी करेंगे। रॉयल्स प्रबंधन ने यह भी बताया कि असम के रियान को युवा यशस्वी जायसवाल पर तरजीह क्यों दी गई। यशस्वी अंतरराष्ट्रीय स्तर के मौजूदा समय के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं और टीम का नियमित हिस्सा भी हैं।

राजस्थान ने पराग को कमान सौंपने की वजह बताई

राजस्थान रॉयल्स द्वारा रियान को कप्तानी सौंपने का फैसला फ्रेंचाइजी के उनके नेतृत्व कौशल पर विश्वास को दर्शाता है। रॉयल्स प्रबंधन का मानना है कि रियान ने असम के कप्तान के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान घरेलू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

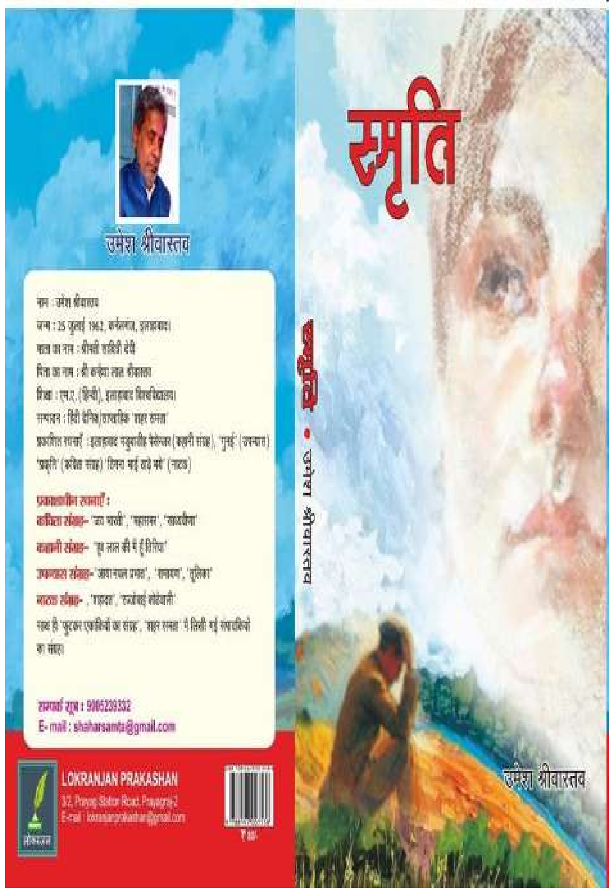

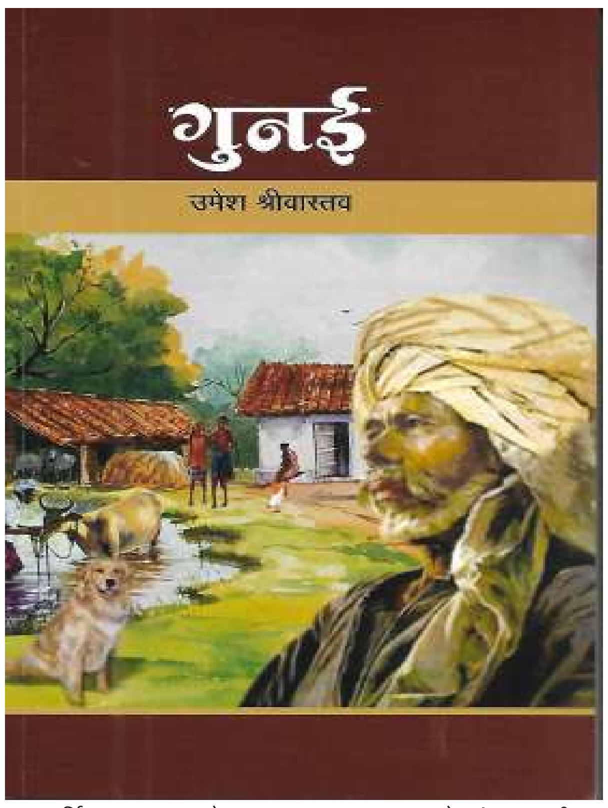

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

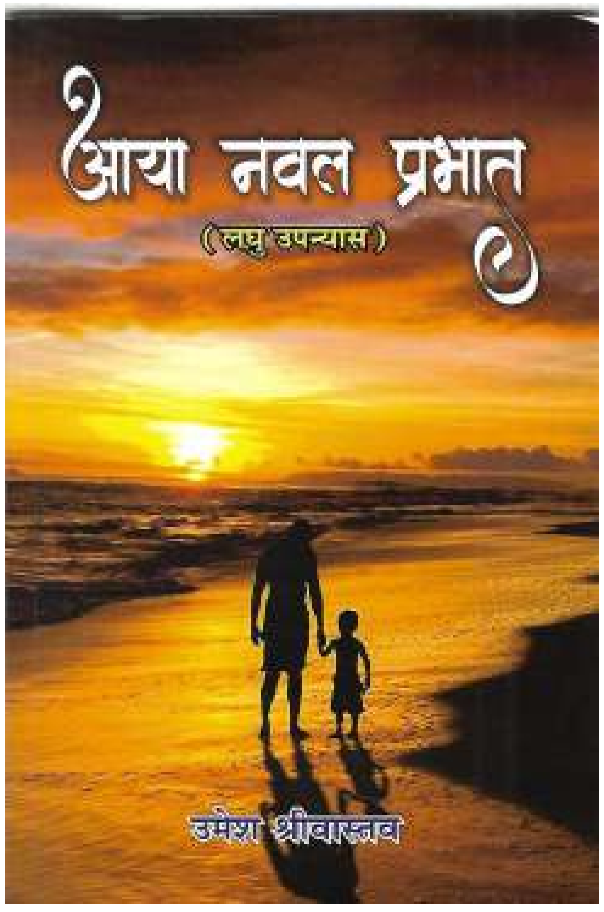

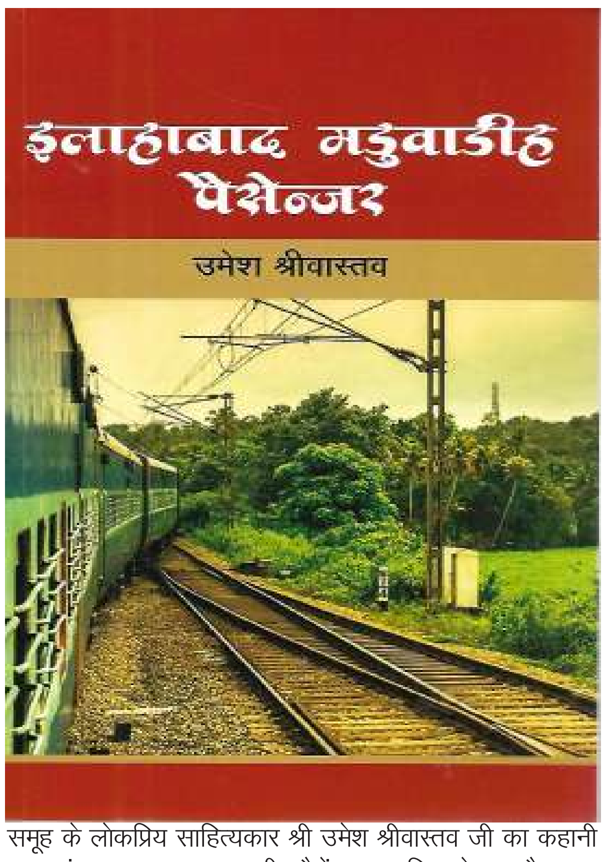

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

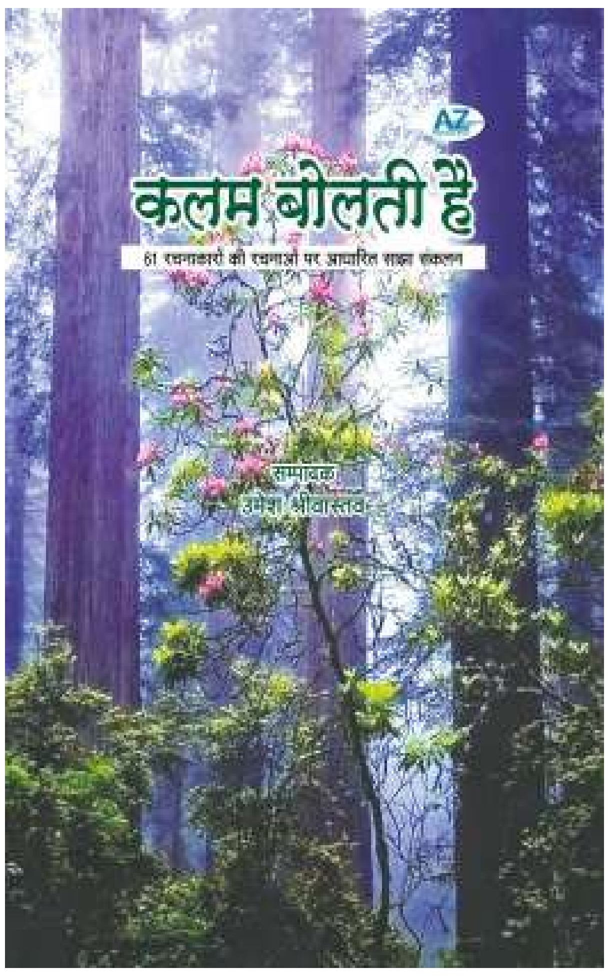

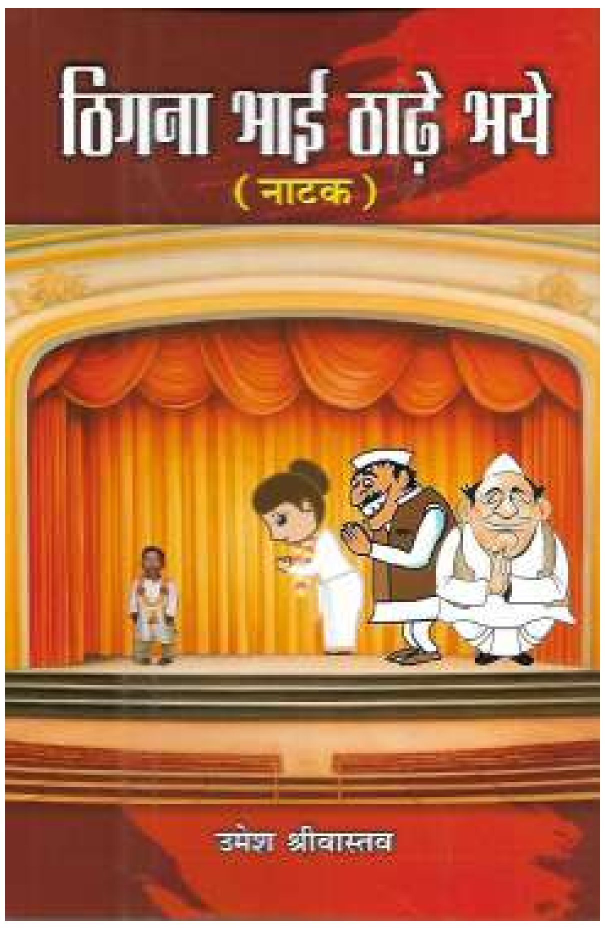

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बीजापुर और कांकेर में दो अलग-अलग मुठभेड़, 30 नक्सली ढेर; ऑटोमेटिक हथियार व गोला-बारूद बरामद

बीजापुर, एजेंसी। बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बीजापुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान का बलिदान हो गया है। बीजापुर में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए हैं। वहीं, दूसरी और कांकेर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए। सभी 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा के पास थाना गंगालुर क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर संयुक्त टीम निकली थी। अभियान के दौरान आज सुबह 7 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हो गई।

बीजापुर मुठभेड़ में 26 नक्सली ढेर

मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 26 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के जंगली क्षेत्र गंगालुर थाना इलाके के तोड़का एंड्री के जंगल में सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान होने की खबर है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'नक्सलमुक्त भारत अभियान' की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षाबलों के दो अलग-अलग ऑपरेशन्स में 30 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के खिलाफ रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।

इस्राइल ने गाजा में फिर किए भीषण हवाई हमले, 58 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत

तेल अवीव। गाजा पट्टी में बुधवार रात हुए इस्राइली हवाई हमलों में 58 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई। इस्राइल की ओर से ये हवाई हमले दक्षिणी गाजा के खान यूनिस और राफा शहरों तथा उत्तरी गाजा के बेइत लाहिया

कस्बे में किए गए। इससे पहले मंगलवार को इस्राइल की ओर से किए गए हमलों में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। मंगलवार को इस्राइल ने भारी हवाई हमले शुरू कर दिए थे। जिसके बाद इस्राइल और हमला के बीच लागू युद्धविराम समाप्त हो गया। यह युद्धविराम कुछ समय के लिए संघर्ष रोकने और दो दर्जन से अधिक बंधकों की रिहाई में मदद करने के लिए लागू किया गया था। इस्राइल ने हमास पर समझौते को ठुकराने का आरोप लगाया है।

मंगलवार को 400 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, मंगलवार को हुए हमलों में 400 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हुई, जिनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। अब तक हमास की ओर से रॉकेट दागने या किसी अन्य हमले की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

हमास से कनेक्शन, अमेरिका में भारतीय छात्र बदर खान सूरी गिरफ्तार

अमेरिका के इमिग्रेशन अधिकारियों ने सोमवार रात एक भारतीय छात्र बदर खान सूरी को वर्जीनिया से गिरफ्तार किया है। फॉक्स न्यूज ने अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) का हवाला देते हुए बताया कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने यहूदी विरोधी भावना फैलाने और फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास से संबंध रखने के आरोपों के चलते एक भारतीय नागरिक और पोस्टडॉक्टरल फेलो बदर खान सूरी को हिरासत में लिया है। वाशिंगटन डीसी में जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता सूरी को सोमवार रात वर्जीनिया में उनके घर के बाहर संघीय एजेंटों ने हिरासत में ले लिया, जब उन्हें बताया गया कि उनका वीजा रद्द किया जा रहा है। उनके वकील के अनुसार, सूरी, जो एक अमेरिकी नागरिक से विवाहित हैं, इमिग्रेशन कोर्ट में तारीख का इंतजार कर रहे हैं। रिहाई की मांग करने वाली सूरी की याचिका के अनुसार, ट्रम्प प्रशासन ने आव्रजन कानून की एक दुर्लभ रूप से इस्तेमाल की जाने वाली धारा का इस्तेमाल किया है, जो राज्य सचिव को गैर-नागरिकों को निर्वासित करने का अधिकार देता है, जिन्हें संयुक्त राज्य की विदेश नीति के लिए खतरा माना जाता है। फॉक्स न्यूज द्वारा एक्सेस किए गए डीएचएस के बयान के अनुसार, राज्य सचिव मार्को रुबियो का मानना घ्घ्घ्था कि भारतीय शोधकर्ता की गतिविधियों ने उसे निर्वासित करने योग्य बना दिया है। इसी प्रावधान का इस्तेमाल कोलंबिया विश्वविद्यालय के छात्र और ग्रीन कार्ड धारक महमूद खलील को निर्वासित करने के लिए किया गया था, जिन्होंने कथित तौर पर पिछले साल फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्रसिद्ध चित्रकार एमएफ हुसैन की पेंटिंग ने बनाया रिकॉर्ड, न्यूयॉर्क में 118 करोड़ में हुई बिक्री

न्यूयॉर्क, एजेंसी। प्रसिद्ध चित्रकार एमएफ हुसैन की एक पेटिंग 13.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 118 करोड़ रुपये) में बिकी है। एमएफ हुसैन की पेटिंग ग्राम यात्रा ने आधुनिक भारतीय कला की सबसे महंगी पेटिंग का रिकॉर्ड बनाया है। इस पेंटिंग को प्रसिद्ध चित्रकार के 1950 के दशक की सबसे अहम और विशाल पेटिंग माना जाता है। 19 मार्च को न्यूयॉर्क के क्रिस्टी में इस पेंटिंग की नीलामी हुई। इससे पहले 2023 में अमृता शेरगिल की 1937 की द स्टोरी टेलर पेटिंग की मुंबई में लगभग 7.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर (61.8 करोड़ रुपये) में नीलामी हुई थी। एमएफ हुसैन की एक ही कैनवास पर करीब 14 फीट लंबी पेंटिंग में 13

पैनल लगे हैं। इस ग्राम यात्रा का अर्थ है गांव की तीर्थयात्रा। यह हुसैन की कृतियों की आधारशिला मानी जाती है। क्रिस्टी के साउथ एशियन मॉडर्न एंड कंटेम्परेरी आर्ट के प्रमुख निशाद अवारी ने कहा कि हम मकबूल फिदा हुसैन के काम और पूरी श्रेणी के लिए एक नया बेंचमार्क मूल्य निर्धारित करने का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं। यह एक ऐतिहासिक क्षण है और आधुनिक और समकालीन दक्षिण एशियाई कला बाजार की असाधारण ऊपर की ओर प्रगति को जारी रखता है।

1954 में ही नार्वे चली गई थी पेटिंग

एमएफ हुसैन की जिस पेटिंग की सबसे महंगी बिक्री हुई है, वह 1954 में ही भारत से चली गई थी। यूक्रेन में जन्मे नॉर्वे के डॉक्टर लियोन एलियास वोलोडार्स्की ने इस पेटिंग को खरीद लिया था। वे नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के लिए एक थोरैसिक सर्जरी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए आए थे। वोलोडार्स्की ने 1964 में पेंटिंग को ओस्लो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल को दे दिया था। अब इस पेटिंग की बिक्री से प्राप्त आय संस्थान में डॉक्टरों की भावी पीढ़ियों के प्रशिक्षण में मदद करेगी। इससे पहले हुसैन की सबसे महंगी पेंटिंग शीर्षकहीन पुनर्जन्म पिछले साल लंदन में 3.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 25.7 करोड़ रुपये) में बिकी थी।

1915 में जन्मे थे एमएफ हुसैन

17 सितंबर, 1915 को महाराष्ट्र के पंढरपुर में जन्मे एमएफ हुसैन भारत के सबसे महत्वपूर्ण और लोकप्रिय कलाकारों में से एक थे। इनकी पेंटिंग ने दुनिया भर में कला को सम्मान दिलाया। राजनीति को लेकर देवी-देवताओं की उनकी पेंटिंग पर काफी विवाद भी हुआ। इसके बाद उन्होंने भारत छोड़ दिया और दुबई में रहने लगे। नौ जून 2011 को 95 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। वे अपने पीछे कई शानदार कृतियां छोड़ गए।

डरकर भागेगा पाकिस्तान, नहीं टिक पाएंगे चीन के जवान, दुश्मन के सीने पर चढ़कर मारने के लिए भारत ने की नई तैयारी

भारतीय सेना को सीमा पर और ज्यादा मजबूत करने के लिए भारत नई तैयारी में जुट चुका है। खबर है कि भारतीय सेना 7 हजार करोड़ रुपए की एडवांस टोड आर्टिलरी गन सिस्टम खरीदने वाली है। 45 किलोमीटर की रेंज, हर मिनट गोले दागने की क्षमता और 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली इस तोप की सेना को जरूरत थी। सेना को ऐसे 800 से ज्यादा तोपों की जरूरत है। लेकिन फिलहाल 307 होवित्जर तोप को रक्षा मंत्रालय की ओर से मंजूरी दे दी गई। भारतीय सेना अपने आर्टिलरी रेजमेंट के आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है। इसके लिए देश में बनी तोपों के जरिए ही सेना की ताकत में इजाफा किया जाना है। अब सरकार की कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी सेनाकी स्वदेशी एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) के साथ रेंज और मारक क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी तोपखाने को आधुनिक बनाने का इरादा रखती है। सेना अब स्वदेशी रूप से विकसित अत्याधुनिक 155 मिमी हॉवित्जर एडवांस्ड टोड

आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) की खरीद में आगे बढ़ेगी। ये बंदूकें 48 किलोमीटर तक की रेंज का दावा करती हैं और इन्हें ट्रकों पर एकीकृत करके माउंटेड गन सिस्टम (एमजीएस) में अनुकूलित किया जा रहा है। एमजीएस के लिए परीक्षण 2026 तक समाप्त होने की उम्मीद है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पुरानी सेना बंदूकों को आधुनिक 155 मिमी तोपखाने बंदूक प्रणाली से बदलने के लिए 2013 में एटीएजीएस परियोजना शुरू की। भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने बंदूक का निर्माण किया है। ऑर्डर को भारत फोर्ज के बीच विभाजित किया जाएगा, जो ।ज।ळै टेंडर के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभरा, 60: बंदूकें बनाने और आपूर्ति करने के लिए, जबकि शेष 40% TASL द्वारा उत्पादित किया जाएगा। हमारा लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष के अंत तक एटीएजीएस अनुबंध पर हस्ताक्षर करना है। 2020 में गलवान झड़प के बाद, भारतीय सेना एलएसी पर अपनी तैनाती बढ़ाने पर केंद्रित रही है। एटीएजीएस चीन से लगी इन सीमाओं पर तोपखाने की ताकत में एक बड़ा इजाफा होगा जहां भारत आक्रामक रक्षा मुद्रा बनाए हुए है। एटीएजीएस सरकार की श्मेक इन इंडियाश पहल के साथ तालमेल बिठाते हुए स्वदेशी समाधानों के प्रति सेना की प्रतिबद्धता भी सुनिश्चित करता है। एटीएजीएस के अलावा, सेना अपने शस्त्रागार में पिनाका ताकत भी बढ़ाएगी। वर्तमान में, सेना पिनाका की चार रेजिमेंट संचालित करती है, जबकि अंततः इसे 22 रेजिमेंट तक विस्तारित करने की योजना पर काम चल रहा है।

हमने उन्हें बेनकाब कर दिया, टैरिफ पर ट्रंप ने भारत को लेकर दिया बड़ा बयान, दी 2 अप्रैल वाली धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को ब्रेइटबार्ट न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उनका मानना है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ कम करेगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मेरा मानना है कि वे संभवतः उन टैरिफों को काफी हद तक कम करने जा रहे हैं, लेकिन 2

अप्रैल को हम उनसे वही टैरिफ वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं। टैरिफ सरकार द्वारा लगाए गए आयात शुल्क हैं, जो कंपनियों को किसी देश में विदेशी सामान लाने के लिए चुकाना पड़ता है। पिछले हफ़्ते केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि अभी तक अमेरिका ने भारत पर कोई पारस्परिक शुल्क नहीं लगाया है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब ट्रंप ने भारत और अन्य देशों द्वारा अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाने की आलोचना की और इसे ष्बहुत अनुचितष बताया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 2 अप्रैल से अमेरिका उन देशों पर पारस्परिक शुल्क लागू करेगा जो अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाते हैं। 13 फरवरी को अमेरिका ने पारस्परिक व्यापार और शुल्कों पर एक ज्ञापन जारी किया, जिसमें वाणिज्य सचिव और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) को अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर गैर-पारस्परिक व्यापार व्यवस्थाओं के प्रभाव का आकलन करने का निर्देश दिया गया। उन्हें संभावित नुकसान की जांच करने और प्रत्येक व्यापारिक साझेदार के लिए प्रस्तावित उपायों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा के दौरान, भारत और अमेरिका ने 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करके 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उन्होंने 2025 तक बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण को अंतिम रूप देने पर भी सहमति व्यक्त की। 2023 में दोनों देशों के बीच व्यापार 190.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें 123.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर का माल और 66.19 बिलियन अमेरिकी डॉलर की सेवाएं शामिल हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

ट्रंप का जेलेंस्की को सुझाव, यूक्रेनी ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए उनकी कमान अमेरिका को सौंपें

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को यूक्रेन के अपने समकक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की को सुझाव दिया कि अमेरिका को यूक्रेन के अहम ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका स्वामित्व अपने हाथ में ले लेना चाहिए। रूस-यूक्रेन

में युद्ध-विराम के प्रयासों के बीच ट्रंप ने कहा कि उन्होंने बुधवार सुबह जेलेंस्की से करीब एक घंटा वार्ता की। इससे एक दिन पहले ही ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चर्चा की थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने "रूस और यूक्रेन के अनुरोधों और आवश्यकताओं के अनुसार" बातचीत की, क्योंकि वह दोनों देशों के बीच युद्ध-विराम समझौता चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, "हम पूरी तरह से सही रास्ते पर हैं।" बातचीत के दौरान ट्रंप ने जेलेंस्की को सुझाव दिया कि अमेरिका को यूक्रेन के अहम ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनका स्वामित्व अपने हाथ में ले लेना चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज की ओर से व्हाइट हाउस में जारी बयान के अनुसार, ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा कि अमेरिका ऊर्जा क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के कारण इन संयंत्रों को चलाने में बहुत मददगार हो सकता है। ट्रंप ने कहा, "उन संयंत्रों पर अमेरिकी स्वामित्व उस बुनियादी ढांचे के लिए सर्वोत्तम सुरक्षा हो सकती है।" ट्रंप ने मंगलवार को पुतिन से यूक्रेन के साथ संभावित आंशिक युद्ध-विराम के बारे में बात की। पुतिन ऊर्जा अवसंरचना को निशाना न बनाने पर सहमत हुए, लेकिन 30 दिन के पूर्ण युद्ध-विराम का समर्थन करने से इनकार कर दिया। जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ बातचीत से पहले बुधवार को कहा कि पुतिन का संकल्प "वास्तविकता से बहुत अलग है", क्योंकि रात भर पूरे देश में ड्रोन हमले हुए हैं। हेलसिंकी में फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में जेलेंस्की ने कहा, "यहां तक घ्कि कल रात भी, पुतिन की ट्रंप के साथ बातचीत के बाद, जब पुतिन ने कहा कि वह कथित तौर पर यूक्रेनी ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने के आदेश दे रहे हैं, तो भी रात में 150 ड्रोन हमले किए गए और इस दौरान ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाया गया।

तहव्वुर राणा तो बड़ा शातिर निकला, भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए चली आखिरी चाल

26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा ने गुरुवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के समक्ष भारत को उसके प्रत्यर्पण को रोकने के लिए एक अनुरोध दायर किया। यह तब हुआ जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश एलेना कगन ने इस महीने की शुरुआत में उसकी समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित विवरण के अनुसार, 4 अप्रैल, 2025 को निर्धारित सम्मेलन के लिए आवेदन को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को वितरित किया गया है। राणा ने भारत को अपने प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग करते हुए अपना आवेदन नवीनीकृत किया है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित आदेश के अनुसार, याचिकाकर्ता तहव्वर राणा ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर स्थगन के लिए अपना आपातकालीन आवेदन नवीनीकृत किया है, जिसे पहले न्यायमूर्ति कगन को संबोधित किया गया था और अनुरोध किया है कि नवीनीकृत आवेदन को मुख्य न्यायाधीश रॉबर्ट्स को भेजा जाए। न्यायमूर्ति एलेना कगन ने राणा के आवेदन को अस्वीकार कर दिया, जिसमें भारत में उसके प्रत्यर्पण पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। अपने आवेदन में, राणा ने तर्क दिया कि वह विभिन्न कारणों से भारत में मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त समय तक जीवित नहीं रहेगा। राणा ने एक अपील के माध्यम से कहा यदि स्थगन दर्ज नहीं किया जाता है, तो कोई समीक्षा नहीं होगी। 26/11 के आतंकवादी हमलों के आरोपी ने दावा किया कि यदि उसे भारत प्रत्यर्पित किया जाता है, तो इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि उसे यातना दी जाएगी क्योंकि वह पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है।

टेक्सास की सीनेट ने होली को मान्यता देते हुए प्रस्ताव पारित किया, ऐसा करने वाला अमेरिका का तीसरा राज्य

वॉशिंगटन। अमेरिकी राज्य टेक्सास की सीनेट में एक प्रस्ताव पारित किया गया है। इस प्रस्ताव में हिंदुओं के त्योहार होली को सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मान्यता दी गई है। इसके साथ ही टेक्सास अमेरिका का तीसरा राज्य बन गया है, जहां होली को औपचारिक रूप से मान्यता दी गई है। टेक्सास से पहले जॉर्जिया और न्यूयॉर्क भी होली को सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मान्यता दे चुके हैं। टेक्सास की सीनेट में यह प्रस्ताव सीनेटर सारा एकहार्ट ने पेश किया। यह प्रस्ताव 14 मार्च को पारित कर दिया गया।

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।